



//-- सुविचार --//

महात्मा वो है,
जो गरीबों और
असहाय के लिए
रोता है अन्धथा
वो दुरात्मा है

सूयोदय/सूर्यास्त

उदय : 05:12 प्रातः		
अस्त : 06:38 संध्या		
प्रदेश का तापमान		
स्थान	अधिकतम	न्युनतम
रांची	34.0	23.0
जमशेदपुर	36.0	27.0
हजारीबाग	36.0	23.0
डालटनगंज	40.0	27.0

संक्षिप्त खबरें

सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ पहली बार पहुंचे पूर्वी सीमा पर नई दिल्ली। सेनाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जनरल धीरज सेठ ने पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में चीन और अन्य सीमाओं की सुरक्षा करने वाली सेना की ईस्टर्न कमांड का दौरा किया है। दो दिन के दौरे में उन्होंने मौजूदा सुरक्षा स्थिति और फॉर्मेशन की ऑपरेशनल तैयारियों का आकलन किया। सेना प्रमुख ने अंदरूनी इलाकों में तैनात जवानों से मिलकर लड़ाई की तैयारियों को देखा। उन्होंने बुधवार को त्रिशक्ति कोर के हेडक्वार्टर और ट्रिनिटी एरिया का दौरा किया और सुरक्षा की स्थिति और ऑपरेशनल तैयारियों का रिव्यू किया। त्रिशक्ति कोर के दौरे के दौरान उन्हें ऑपरेशनल स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। त्रिशक्ति कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने उन्हें ऑपरेशनल डिप्लॉयमेंट, सर्विलांस आंकिटेकर और मौजूदा सुरक्षा डायनामिक्स के बारे में बताया। जनरल धीरज सेठ ने टेक्नोलॉजी एक्जीर्शन, क्षमता बढ़ाने और फोर्स मॉडर्नाइजेशन से जुड़ी पहलों का भी रिव्यू किया। उन्होंने आज ही बेंगलुरु मिलिट्री स्टेशन का भी दौरा किया, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाओं का आकलन किया और ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स की समीक्षा की। इसके बाद जनरल धीरज सेठ ने स्पीयर कोर का दौरा किया और इसकी ऑपरेशनल तैयारियों का मूल्यांकन किया। उन्हें बदलते ऑपरेशनल माहौल, इंटर-एजेंसी कोऑर्डिनेशन और लड़ाई की तैयारी को और बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने नॉर्थ ईस्ट में शांति, स्थिरता और विकास को बढ़ावा देने के मकसद से कम्युनिटी आउटरीच पहलों का भी रिव्यू किया।

राम मंदिर विवाद

ब्रिटेन में 40 साल पुराने राममंदिर की जमीन पर विवाद

इस्लामिक मिशन को जमीन बेचने की तैयारी

लंदन। ब्रिटेन के पीटरबरो शहर मस्थित करीब 40 साल पुराने राममंदिर की जमीन को लेकर विवाद अब हाई कोर्ट पहुंच गया है। पीटरबरो सिटी काउंसिल द्वारा मंदिर परिसर को यूके इस्लामिक मिशन (यूकेआईएम) को बेचने के फैसले के खिलाफ हिंदू संगठन, भारत हिंदू समाज (बीएचएस) ने न्यायिक समीक्षा की मांग की है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार को हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीटरबरो सिटी काउंसिल की ओर से पेश अधिवक्ता कैथरीन रोलेट्स ने दलील दी कि मंदिर परिसर को यूके इस्लामिक मिशन को बेचने का फैसला कानून के दायरे में है और इसे गैरकानूनी नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि किसी समुदाय की धार्मिक पहचान को निर्णय प्रक्रिया में ध्यान में रखा जाता है लेकिन वही अकेले किसी फैसले का आधार नहीं बन सकता।



काउंसिल ने अदालत को बताया कि फिलहाल भारत हिंदू समाज को परिसर में किरायेदारी का अधिकार प्राप्त है और पुनर्विकास शुरू होने तक वह वहां रह सकता है। इसके बाद उन्हें परिसर खाली करना होगा। काउंसिल का कहना है कि वह हिंदू समुदाय के महत्व को स्वीकार करती है और चाहती है कि समुदाय पीटरबरो में बना रहे। सुनवाई के दौरान अदालत में बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग मौजूद रहे। कई लोग जय श्रीराम लिखी टी-शर्ट पहनकर कोर्ट पहुंचे।

काउंसिल की दलीलों पर अदालत की सार्वजनिक गैलरी में मौजूद लोगों ने असहमति भी जताई। मामले में न्यायाधीश ने सवाल उठाया कि यदि यूके इस्लामिक मिशन ने परियोजना के लिए धन जुटाने का लक्ष्य वर्ष 2035 तक रखा था तो इतनी जल्द बिक्री का फैसला क्यों लिया गया। इस पर काउंसिल की ओर से कहा गया कि फंडिंग किसी भी समय उपलब्ध हो सकती है और इसी आधार पर निर्णय लिया गया। पीटरबरो से भी हिंदुओं का एक जत्था आया था और कोर्ट रूम

खचाखच भरा हुआ था। पीटरबरो सिटी काउंसिल ने 10 फरवरी को मंदिर परिसर की बिक्री का निर्णय लिया था। भारत हिंदू समाज, जो वर्ष 1986 से इस परिसर के एक हिस्से में किरायेदार के रूप में मंदिर संचालित कर रहा है, पिछले एक दशक से इस संपत्ति को खरीदने के लिए बातचीत कर रहा था। राम मंदिर की टूटती गैरी चौधरी ने बताया कि मंदिर की जमीन को सुरक्षित रखने के लिए एक हिंदू ट्रस्ट ने 14 लाख पाउंड की बोली लगाई थी। कहा कि हम ब्रिटेन के सबसे पुराने राम मंदिरों में से एक को बचाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि, सिटी काउंसिल ने अधिक बोली का हवाला देते हुए जमीन यूके इस्लामिक मिशन को देने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि इस फैसले से क्षेत्र के हजारों हिंदुओं की धार्मिक आस्था प्रभावित होगी। पीटरबरो और आसपास के इलाके में रहने वाले 18,000 से अधिक हिंदू इस मंदिर से जुड़े हुए हैं और वह 50 किलोमीटर के दायरे में प्रमुख हिंदू पूजा स्थलों में से एक है।

भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व माता सुभद्रा ने दिए भक्तों को दर्शन

रांची। रथयात्रा महोत्सव की पूर्व संथा पर बुधवार को धुर्वा के जगन्नाथ मंदिर में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन माता सुभद्रा ने विशेष श्रृंगार के साथ श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतार लगी रही। बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं के आस्था में कोई कमी नहीं देखी। बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित मंदिर पहुंचे और भगवान के दर्शन कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भगवान के दर्शन होते ही पूरा मंदिर परिसर जय जगन्नाथ के उद्घोष से गुंज उठा। श्रद्धालु हाथ जोड़कर भगवान के समक्ष नतमस्तक हुए और विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर में बज रहे घंटे-घड़ियाल, शंखनाद और धार्मिक भजनों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। बारिश की फुहारों के बीच श्रद्धालुओं की अटूट आस्था देखने लायक रही। कई श्रद्धालु भीगते हुए भी कारगर में डूबे रहे और भगवान के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किए।



रथयात्रा आज, तैयारियां पूरी
भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और माता सुभद्रा का विशेष श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। श्रद्धालुओं में अगले दिन गुरुवार को निकलने वाली रथयात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। इधर, मंदिर समिति ने रथयात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा भय रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेगे। इस दौरान हजारों श्रद्धालु रथ की रस्सी खींचकर धन्य होंगे। जगन्नाथपुर मंदिर मुख्य पजारी रामेश्वर पादी ने बताया कि नेत्रदान उत्सव के साथ भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा तीनों विग्रहों का अनुष्ठान संपन्न हो गया। शाम में 108 दीपों की महाआरती के साथ ही 14 दिनों बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के गेट खोल दिए गये। 16 जुलाई भगवान जगन्नाथ का रथ मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेगा, जो 25 जुलाई को वापस लौटेगी। प्रशासन और मंदिर न्यास समिति ने ऐतिहासिक रथयात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

सड़कों और पुलों के विस्तार से झारखंड के विकास को मिलेगी गति : हेमंत कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हमारी सरकार के नेतृत्व में राज्य में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। पथ निर्माण विभाग द्वारा सड़कों, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलियों के व्यापक निर्माण से राज्य में विकास की नई तस्वीर उभर रही है। आने वाले समय में झारखंड में सड़कों का एक सशक्त एवं विस्तृत नेटवर्क विकसित



होगा, जिससे आवागमन सुगम होने के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

उक्त बातें बुधवार को झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कही गईं। बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने पिछले पांच वर्षों की कार्य योजनाओं, निर्माणाधीन तथा पूर्ण हो चुके कार्यों की विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें सड़कों, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज एवं पुल-पुलियों से संबंधित परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तुति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं की तैयारी और क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा लिखित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए।

गह्वे, जलजमाव और खराब सड़कों पर कार्रवाई करें
मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विभिन्न माध्यमों से सड़कों की स्थिति, गह्वें, जलजमाव एवं निर्माण कार्यों से संबंधित सुझाव एवं शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इनका संज्ञान लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें तथा नियमित रूप से अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए गह्वों की मरम्मत, जल निकासी की समुचित व्यवस्था एवं सड़कों की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही, संकीर्ण मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया।

लिखित परियोजनाओं में तेजी लाएं
मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सड़क, फ्लाईओवर एवं पुल-पुलिया से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने राजधानी रांची सहित अन्य क्षेत्रों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, सोलर साइकिल ट्रैक एवं अन्य नवीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता एवं मजबूती बनाए रखने पर बल दिया। उन्होंने पुल-पुलियों के किनारों को सुदृढ़ बनाने, जल निकासी की बेहतर व्यवस्था करने तथा सभी निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता मानकों के पालन के निर्देश दिए।

सभी परियोजनाओं का डेटाबेस व जियो-टैगिंग अनिवार्य
मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग को सभी परियोजनाओं का अद्यतन एवं सुव्यवस्थित डेटाबेस तैयार करने तथा जियो-टैगिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परियोजना की स्थिति, लागत, समय-सीमा और प्रगति का स्पष्ट विवरण उपलब्ध हो, ताकि कार्यों की प्रभावी निगरानी की जा सके। उन्होंने कहा कि जियो-टैगिंग से पारदर्शिता बढ़ेगी और निगरानी प्रणाली सुदृढ़ होगी। साथ ही, समस्याओं की समय पर पहचान कर शिकायतों के त्वरित समाधान पर बल दिया।

संतोष कुमार गंगवार
राजगन्धर्व, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

समस्त झारखण्डवासियों को

रथ यात्रा

की शुभकामनाएं और जोहार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड

PR.No.- 385093 (IPRD) 2026-27

संक्षिप्त खबरें

मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत



रांची। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा राठी, राष्ट्रीय सचिव बबोिता बगडिया, राष्ट्रीय अंचल प्रमुख अनीता अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष प्रभा पाड्डिया सहित अन्य पदाधिकारियों का बुधवार को रांची आगमन पर हॉलीडै होम में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा राठी ने रांची शाखा के सेवा कार्यो की सराहना करते हुए महिलाओं से अपने हुनर को समाज सेवा से जोड़ने और निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष प्रभा पाड्डिया ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित ढंग से लागू कर संगठन को और मजबूत बनाया जाए। मौके पर रांची शाखा की अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि शाखा सचिव उर्मिला पाड्डिया ने सेवा कार्यो की रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में सीबीएसई दसवीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली अर्विन कुमारी सहित कई छात्राओं को सम्मानित किया गया। शिव नारायण कन्या पाठशाला की छह छात्राओं को नेशनल मॉस कम मेरिट स्कॉलरशिप में सफलता पर अध्ययन सामग्री दी गई। वहीं बाल विकास प्रकल्प के तहत कहानी लेखन प्रतियोगिता की विजेता बालिकाओं को सम्मानित किया गया और 23 राज्यों से प्राप्त 500 कहानियों में चयनित 50 कहानियों का वेबसाइट पर लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरा बथवाल, राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प प्रमुख रूपा अग्रवाल सहित रांची और सुजन शाखा के कई सदस्य पदाधिकारी मौजूद थे।

झारखंड को रेलवे के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात : संजय सेठ

रांची। रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अग्रेषण एवं झारखंड से जुड़ी लगभग 3,907 करोड़ की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को स्वीकृति दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। सेठ ने कहा कि केन्द्र सरकार का लक्ष्य केवल रेल लाइनों का विस्तार करना नहीं, बल्कि आधुनिक, सुरक्षित और विश्वस्तरीय रेल नेटवर्क के माध्यम से देश के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई दिशा देना है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल का यह निर्णय उसी संकल्प का सशक्त उदाहरण है। प्रधानमंत्री जी का विशेष ध्यान झारखंड के विकास पर होता है। यह परियोजना उसी का सुखद प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत परियोजनाओं के अंतर्गत पारादीप-हरिदासपुर रेल लाइन का दोहरीकरण तथा राजखरसावां-डांगोआपोसी रेलखंड पर चौथी रेल लाइन का निर्माण किया जाएगा। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से रेल परिचालन अधिक सुगम होगा, माल ढुलाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा औद्योगिक एवं खनिज क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध होगा। इससे झारखंड और ओडिशा के उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसरों को भी नई गति मिलेगी।

मानसून

15 जुलाई तक सामान्य से 41 प्रतिशत कम बारिश

रांची। झारखंड में इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही है। एक जून से 15 जुलाई तक राज्य में सामान्य से 41 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। कम बारिश के कारण कृषि कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। इस बीच मौसम विभाग ने 19 जुलाई तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश, मेघ गर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस अवधि में राज्य में सबसे अधिक वर्षा दुमका और सरायकेला-खरसावां जिलों में दर्ज की गई। दुमका में सामान्य 355.4 मिलीमीटर के मुकाबले 300.1 मिलीमीटर तथा सरायकेला-खरसावां में सामान्य 335.2

आधी रात सड़कों पर उतरे एसएसपी राकेश रंजन, थानों का किया निरीक्षण

लापरवाही पर दो अधिकारियों को नोटिस

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। राजधानी रांची की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन मंगलवार देर रात करीब एक बजे अचानक सड़कों पर उतर गए। उन्होंने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों, संवेदनशील इलाकों, पुलिस चेकिंग प्वाइंट और रात्रि गश्ती व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। बिना पूर्व सूचना किए गए इस निरीक्षण से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसएसपी ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया, जबकि मुस्तेदी से ड्यूटी निभा रहे पुलिसकर्मीयों की सराहना भी की। निरीक्षण के क्रम में एसएसपी सबसे पहले हिंदपीढ़ी थाना पहुंचे। यहां निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी और ओडी प्रभारी दोनों ड्यूटी के समय अनुपस्थित मिले। इसे गंभीर



लापरवाही मानते हुए एसएसपी ने दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया और उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी के दौरान किसी भी अधिकारी की अनधिकृत अनुपस्थिति स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके बाद एसएसपी अरगोड़ा थाना पहुंचे। यहां मुख्य प्रवेश द्वार बंद मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और थाना प्रभारी को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिया

कि थाना परिसर आम नागरिकों के लिए 24 घंटे खुला रहना चाहिए, ताकि किसी भी समय शिकायत या सहायता के लिए आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। रात्रि निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने बिरसा चौक, मेन रोड, एकरा मस्जिद, हरमू बाइपास, अरगोड़ा चौक सहित कई संवेदनशील स्थानों का भी दौरा किया। उन्होंने यहां तैनात पुलिस बल की गतिविधियों, नोकबंदी, वाहन जांच अभियान और सुरक्षा व्यवस्था का

जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मीयों से बातचीत कर आवश्यक जानकारी ली तथा चेकिंग रजिस्टर और ड्यूटी रिकॉर्ड का भी निरीक्षण किया। एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों और जवानों को निर्देश दिया कि रात के समय सौंदग्य वाहनों और व्यक्तियों की सघन जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पीसीआर वाहन और टाइगर मोबाइल की नियमित गश्त को और प्रभावी बनाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष

सतर्कता बरतने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली या रसूखदार क्यों न हो, उसके खिलाफ बिना किसी दबाव, पक्षपात या भेदभाव के सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजधानी के नागरिकों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने ड्यूटी के प्रति पूरी ईमानदारी, अनुशासन और मुस्तेदी से कार्य कर रहे पुलिसकर्मीयों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन भी किया। साथ ही सभी थाना प्रभारियों, पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को निर्देश दिया कि वे हर समय अलर्ट रहें, आम जनता की हरसंभव सहायता करें तथा रात के समय शांति भंग करने या उपद्रव फैलाने वाले अस्सामाजिक तत्वों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें।

एनएमसी ने रिम्स में एमबीबीएस की 70 नई सीटों को दी मंजूरी

अब 250 छात्रों का होगा नामांकन

रांची। नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने झारखंड के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में एमबीबीएस सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के बाद चालू शैक्षणिक सत्र से रिम्स में अब 250 विद्यार्थियों का नामांकन किया जाएगा। इसे झारखंड में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

इससे पहले राज्य सरकार के प्रयासों से महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में भी एमबीबीएस सीटों की संख्या 100 से बढ़ाकर 150 की गई थी। अब रिम्स में 70 नई सीटों की मंजूरी मिलने से राज्य में मेडिकल शिक्षा के अवसर और बढ़ जाएंगे। झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एनएमसी के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह झारखंड के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रिम्स सहित पूरे स्वास्थ्य तंत्र को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उनका कहना था कि आने वाले समय में



रिम्स आधुनिक सुविधाओं से लैस एक उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान के रूप में देश के सामने नई पहचान बनाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि सीटों में वृद्धि के साथ-साथ संस्थान में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। इसके तहत फैकल्टी की संख्या बढ़ाने, छात्रावासों का विस्तार, आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता तथा अन्य शैक्षणिक एवं चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है, ताकि एनएमसी के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। रिम्स के प्रभारी निदेशक डॉ. डी.के.

सिन्हा ने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य सरकार, स्वास्थ्य विभाग और रिम्स प्रशासन के समन्वित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि संस्थान ने एनएमसी की सभी आवश्यक शर्तों को पूरा करने के लिए लगातार कार्य किया, जिसके परिणामस्वरूप सीटों में वृद्धि की मंजूरी मिली। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस फैसले से झारखंड के विद्यार्थियों को राज्य के भीतर ही मेडिकल शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। साथ ही आने वाले वर्षों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ने से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

रांची महापौर ने की अयोग्य लाभुकों से राशन कार्ड सरेडर कराने की मांग

रांची। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार के राइटफुल टार्गेटिंग अभियान के तहत प्राप्त सूची के आधार पर झारखंड सरकार ने जिलों को सत्यापन के बाद अयोग्य लाभुकों के नाम और राशन कार्ड विलीनित (डिलीट) करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में जिला आपूर्ति कार्यालय, रांची ने पात्रता नहीं रखने वाले लाभुकों को आर्थिक दंड की राशि जमा करने, राशन कार्ड जमा करने अथवा अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया है। इस कार्रवाई के बीच आम नागरिकों की संभावित परेशानियों को देखते हुए रांची की महापौर रोशनी खलखो ने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य जिलों में अयोग्य लाभुकों को स्वेच्छ से राशन कार्ड समाप्त करने अथवा अपना नाम हटवाने का अवसर दिया गया है। ऐसे में रांची में भी लोगों को बिना अनावश्यक दंडात्मक कार्रवाई के निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और स्वेच्छ से राशन कार्ड सरेडर करने का मौका मिलना चाहिए। महापौर ने कहा कि इससे पात्र और अपात्र लाभुकों की निष्पक्ष पहचान सुनिश्चित होगी तथा अनजाने में नियमों के दायरे में आए लोगों को अपनी स्थिति स्पष्ट करने का उचित अवसर भी मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन की कार्रवाई पारदर्शी और न्यायसंगत होनी चाहिए, ताकि पात्र लाभुकों के अधिकार सुरक्षित रहें और अनावश्यक विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

मंत्री संजय सेठ ने किया सहायता शिविर का उद्घाटन

रांची। ऐतिहासिक रथ मेला में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ द्वारा सहायता शिविर लगाया गया है। उसी के निमित्त आज केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया इस शिविर में संजय सेठ सहायता समूह के 200 कार्यकर्ता इस मेला में आए भक्त जनों को अपनी सेवा प्रदान करेंगे। इस शिविर में चिकित्सा की भी व्यवस्था की गई है इसके अलावा अन्य सहायता आने वाले श्रद्धालुओं के बीच प्रदान की जाएगी श्री सेठ ने कहा दक्षिण छेटा नागपुर की इस ऐतिहासिक रथ मेला में आए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाईयां ना हो इसके लिए यह शिविर का आयोजन किया गया है हमारे कार्यकर्ता आने वाले श्रद्धालुओं को हर संभव मदद करेंगे ' इस अवसर पर रांची की मेयर रोशनी खलखो डिप्टी मेयर नीरज कुमार महामगर अध्यक्ष वरुण साहू महामंत्री बलराम सिंह जितेंद्र वर्मा राजू सिंह मंडल अय्यध युवा मोर्चा यादव उमेश तिवारी पाण्डे सुचिता रानी अवधेश ठाकुर राजेश पोद्दम कन्हैया सिंह कामेश्वर सिंह चंदन पटेल रामजी प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

अवैध वाहन नीलामी मामले में सुनवाई पूरी, उच्च न्यायालय ने आदेश रखा सुरक्षित



रांची। झारखंड में खनन कानूनों के तहत प्रशासनिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग से संबंधित अशोक सिंह की याचिका पर उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि नीलामी की गई गाड़ी वापस ले ली गई है, याचिकाकर्ता को उसकी गाड़ी वापस लेने के लिए नोटिस किया गया, लेकिन वह अभी तक नहीं आए। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद और अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने पक्ष रखा। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई में अदालत ने सरकार को एक माह का समय प्रदान करते हुए मुख्य सचिव को भी इस मामले को देखुक्त सदीप कुमार अदालत में पूर्व में लातेहार के तत्कालीन उपायुक्त भोर सिंह यादव वर्चुअल रूप से अदालत के समक्ष उपस्थित हुए थे। अदालत ने उनसे मौखिक कहा था कि आपके कारण जो समस्या पैदा हुई है, उसका निदान क्यों अब तक नहीं निकला। अवैध खनन के परिवहन में पकड़े गए वाहन की जब्ती के बाद जल्दीबाजी में उसकी नीलामी कर उस तीसरे पक्ष को हस्तांतरित कर दिया गया। जबकि इससे संबंधित मामले में रिवीजन याचिका लॉबित है। प्रार्थी को उस मौका दिए बिना उनके वाहन की नीलामी का बेचने में जल्द क्यों कर दी गई। सुनवाई के दौरान लातेहार के उपायुक्त सदीप कुमार अदालत में सशरीर उपस्थित हुए थे। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी की हाईवा गया जिला से चोरी हो गया है, जहां उन्होंने इसे लेकर प्रार्थमिकी भी दर्ज कराई थी। बाद में यह हाईवा अवैध माइनिंग के परिवहन के दौरान बालुमाथ में पकड़ा गया था। लातेहार के तत्कालीन डीसी भोर सिंह यादव ने उस पकड़े गए हाईवा की जब्ती कर जल्दीबाजी में नीलामी की प्रक्रिया शुरू की और उसे किसी तीसरे पक्ष को वाहन को काफी सस्ते मूल्य पर बेच दिया था।

मनी लॉन्ड्रिंग केस : अमर मंडल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर उच्च न्यायालय की रोक जारी

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपित अमर मंडल की याचिका पर बुधवार को झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद को अदालत में सुनवाई हुई, इस मामले में अदालत ने ईडी से जवाब मांगा है। पूछा है कि पीएमएलए के सेक्शन 66(2) के तहत संबंधित एजेंसी को सूचित करने की कार्रवाई हुई है या नहीं। अदालत ने अमर मंडल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर रोक जारी रखी है। मामले की सुनवाई अब दो सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। ईडी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरव कुमार ने पक्ष रखा। पिछली सुनवाई में अदालत ने अमर मंडल के खिलाफ ईडी द्वारा दर्ज केस (इसीआईआर/आएनजेओ/08/2023) पर आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। अदालत ने कहा था कि इस मामले में ईडी की ओर से आगे की कार्रवाई अगले आदेश तक नहीं की जाएगी। दरअसल, प्रार्थी ने उच्च न्यायालय में क्रिमिनल रिट दाखिल कर ईडी में दर्ज केस को निरस्त करने का आग्रह किया है। साथ ही हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल कर कहा है कि जिस मूल केस के आधार पर ईडी ने उनके खिलाफ इसीआईआर केस दर्ज किया है, उसमें वह बरी हो चुके हैं। दलील दी गई है कि जब मूल केस में ही वह बरी हो गए हैं तो उनके खिलाफ ईडी में दर्ज केस नहीं चलाया जा सकता। उनकी ओर से कहा गया कि प्रिडिकेट ऑफिस में जब वे बरी हो गए हैं तो ईडी के केस में कार्रवाई आगे नहीं बढ़नी चाहिए। प्रार्थी की ओर से अदालत में उच्चतम न्यायालय के विजय मदनलाल चौधरी केस का भी हवाला दिया गया। यह भी कहा गया कि अमर मंडल के खिलाफ पेरैयाहाट कांड संख्या 7 /2019 दर्ज है, जिसमें वह बरी हो चुका है। इसी के आधार पर ईडी ने इसीआईआर दर्ज किया है।

तेतुलिया जमीन अवैध कब्जा मामले में हाई कोर्ट ने पुनीत अग्रवाल को दी अंतरिम राहत, ट्रायल पर लगाई रोक

रांची। बोकारो जिले के चास प्रखंड स्थित तेतुलिया गांव की 103 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा और फर्जी जमाबंदी से जुड़े बहुवर्षित मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने व्यवसायी पुनीत कुमार अग्रवाल को अंतरिम राहत दी है। न्यायमूर्ति रंजन मुखोपाध्याय की अदालत ने निचली अदालत में चल रही ट्रायल की कार्रवाई पर आदेश तब तक रोक लगा दी है। इस ही मामले में राज्य सरकार से जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। पुनीत कुमार अग्रवाल ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर निचली अदालत द्वारा उनके विरुद्ध आरोप गठन के आदेश को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान अग्रवाल ने प्रथम दृष्टया माग्न पर विचार करते हुए ट्रायल की आगे की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया। मामले में सीआईडी ने कांड संख्या 4/2025 दर्ज किया है। जांच पूरी होने के बाद निचली अदालत में आरोपितों के खिलाफ आरोप गठन किया जा चुका है। आरोप है कि वर्ष 2012 में तेतुलिया गांव की 103 एकड़ जमीन की फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध रूप से जमाबंदी कर दी गई थी। जांच में तत्कालीन अंचल अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर राज्य सरकार ने उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया था। इस कथित फर्जीवाड़े में तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ), भूमि सुधार उपसमाहता (डीएलएओ), अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी और अमीन की भूमिका भी जांच के दायरे में आई है। इन अधिकारियों पर भी गंभीर अनियमितताओं और मिलीभगत के आरोप लगाए गए हैं। बताया जाता है कि सतनपुर और तेतुलिया क्षेत्र की पहाड़ एवं वन भूमि राज्य सरकार ने पूर्व में बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) को आवंटित की थी। हालांकि, बीएसएल द्वारा इस भूमि का उपयोग नहीं किए जाने के कारण यह लंबे समय तक खाली पड़ी रही। वर्ष 1980 और 2013 में प्रकाशित रिवीजनल सर्वे के दौरान भी इस जमीन पर किसी व्यक्ति ने स्वाभिव्य जा दये का कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया था। इसके बावजूद वर्ष 2012 में कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 103 एकड़ भूमि की जमाबंदी कर दी गई। मामला सामने आने के बाद राज्य सरकार ने जांच कराई, जिसमें बड़े पैमाने पर अनियमितताओं की पुष्टि होने पर संबंधित अंचल अधिकारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इसके बाद सीआईडी ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की, जो अब न्यायिक प्रक्रिया में है। उच्च न्यायालय के ताजा आदेश के बाद फिलहाल निचली अदालत में इस मामले की सुनवाई अगले आदेश तक स्थगित रहेगी। अब राज्य सरकार के जवाब के बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी।

जाली दस्तावेज मामले को राजनीतिक रंग देना बंद करे भाजपा : ऋषीकेश

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव संह प्रदेश प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने भाजपा युवा मोर्चा के नेता श्रीनिवास कुमार की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताने की आलोचना की है। उन्होंने बुधवार को प्रेस विज्ञापित जारी कर कहा है कि कानून के तहत हुई कार्रवाई को राजनीतिक रंग देकर भाजपा जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। ऋषीकेश ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उनकी पार्टी न्यायालय में कथित रूप से जाली दस्तावेज प्रस्तुत करने और सरकारी अधिकारी के हस्ताक्षर का दुरुपयोग करने जैसे गंभीर आरोपों का भी बचाव कर रही है। किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी उसके राजनीतिक विचारों के कारण नहीं, बल्कि विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत दर्ज प्राथमिकी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर हुई है। ऋषीकेश सिंह ने कहा कि उपलब्ध तथ्यों के अनुसार न्यायालय में प्रस्तुत किए गए दस्तावेज को संबंधित सरकारी विभाग ने फर्जी बताया। इसके बाद सरकारी अधिकारी के हस्ताक्षर और सरकारी अभिलेखों के कथित दुरुपयोग के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसी मामले में पुलिस ने कानून के अनुसार कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की। इसलिए इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताना न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास है।



दादा और पोते की एक साथ उठी अर्थी, चारटोली गांव में पसरा मातम

नवप्रदेश/रायडीह। रायडीह प्रखंड के केमटे पंचायत अंतर्गत चारटोली गांव में बुधवार को एक ही परिवार से दादा और पोते की अर्थी एक साथ उठने से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इस हृदयविदारक घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है।ज्ञानकारी के अनुसार, चारटोली निवासी लिखन सिंह (65 वर्ष) को दो दिन पहले अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई थी। परिजन उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल, गुमला ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्म, रांची रेफर करने की सलाह दी।परिजनों



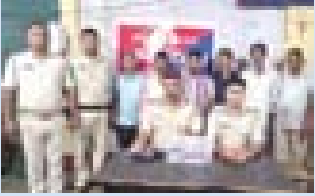
के अनुसार उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। बुधवार सुबह करीब छह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। इधर, लिखन सिंह के पोते बहादुर सिंह (23 वर्ष), पिता शीतल सिंह, गत 11 जुलाई को छत्तीसगढ़

के जशपुर जिले के लोदाम थाना क्षेत्र स्थित जुलतेला के समीप हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बताया जाता है कि एक ही मोटरसाइकिल पर तीन युवक सवार थे। तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित होकर

सड़क किनारे खड़े सेखुवा के पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।बहादुर सिंह का पहले स्थानीय अस्पताल में इलाज चला, बाद में उन्हें रिम्म, रांची रेफर किया गया। इलाज के दौरान मंगलवार रात करीब आठ बजे उनकी भी मौत हो गई।बुधवार को दादा और पोते की एक साथ अंतिम यात्रा निकली तो पूरा गांव मगमीन हो उठा। परिजनों के साथ ग्रामीणों की भी आंखें नम हो गईं। एक ही परिवार पर कुछ ही दिनों के अंतराल में आई दोहरी त्रासदी से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

बोकारो पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जुए के अड़े पर छापा, 6 जुआरी गिरफ्तार

नवप्रदेश/बोकारो। पुलिस अधीक्षक बोकारो को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर चास थाना पुलिस ने अंसारी मोहल्ला स्थित कबिस्तान के पास एक बंद चारदीवारी में छापेमारी कर संचालित जुए के अड़े का भंडाफेड़ किया। कार्रवाई के दौरान जुआ खेल रहे छह लोगों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।छापेमारी में गिरफ्तार आरोपियों के पास से 36,200 नकद, 08 मोबाइल फ़ोन, दो कोंपी, चार खुली ताश की गड़ियां, दो पेंक ताश की गड़ियां तथा 01 से 09 तक अंक लिखे दो बैनर जब्त किए गए। इसके अलावा चारदीवारी के बाहर खड़ी 10 दोपहिया वाहनों को भी पुलिस ने विधिवत जब्त कर लिया। पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है तथा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।



प्रेमिका पर टांगी से जानलेवा हमला करने वाला फरार प्रेमी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नवप्रदेश/रायडीह। रायडीह थाना क्षेत्र के मरदा गांव में प्रेमिका पर टांगी से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे आरोपित प्रेमी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, 9 जुलाई को प्रेम प्रसंग में हुए विवाद के बाद सनकी प्रेमी अकित लक्छा (25 वर्ष), पिता सोमरा लक्छा, निवासी नातापोल, थाना चैनपुर (गुमला) ने अपनी प्रेमिका नेहा दीपिका लक्छा, पिता स्टानिसलास लक्छा के घर पहुंचकर टांगी से हमला कर दिया था। इस हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका इलाज फिलहाल रिम्म, रांची में चल रहा है। घटना के बाद घायल युवती के बयान पर रायडीह थाना में कांड संख्या 27/2026, दिनांक 09 जुलाई 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 118(2), 333 एवं 3(5) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।



चहुल्लम कमेटी कांसीर अंजुमन इस्लामिया कांसीर का हुआ गठन

नवप्रदेश/रायडीह। रायडीह प्रखंड के कांसीर गांव में आगामी चहुल्लम पर्व की तैयारियों को लेकर मुस्लिम समाज की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। विचार-विमर्श के बाद आगामी 9 अगस्त 2026 को चहुल्लम पर्व श्रद्धा, आस्था और सौहार्दपूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान पर्व के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए चहुल्लम कमेटी अंजुमन इस्लामिया कांसीर का गठन भी किया गया।जिसमें सर्वसम्मति से सदर (अध्यक्ष) मो. दिलावर आलम, नायब सदर (उपाध्यक्ष) मो. अपसर आलम, सेक्रेट्री (सचिव) मो जहांगीर आलम, नायब सेक्रेट्री (सह सचिव) मो रेहान आलम तथा खजंची (कोषाध्यक्ष) मो इरशद आलम को चुना गया। इसके अलावा कार्यसमिति में अब्दुल रशीद, सरवर आलम, रब्बानी मियां सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने चहुल्लम पर्व को शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं भाईचारे के वातावरण में संपन्न कराने का संकल्प लिया।



सेक्टर-4 पुलिस की मानवीय पहल: बिछड़े परिवार को फिर से मिलाया, बच्चों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

नवप्रदेश/बोकारो। सेक्टर-4 थाना पुलिस ने एक सराहनीय कार्य करते हुए पारिवारिक विवाद के कारण अलग रह रही दो बच्चियों का न केवल घर वापस कर दिया, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य और बेहतर परवरिश के लिए भी मार्ग प्रशस्त किया। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चियां काफी समय से अपनी ननिहाल में रह रही थीं। पारिवारिक अनबन के चलते वे अपने माता-पिता के साथ रहने को तैयार नहीं थीं। इस दूरी के कारण न केवल बच्चियों की शिक्षा बाधित हो रही थी, बल्कि वे माता-पिता के स्नेह से भी वंचित थीं। मामला गंभीर होता देख परिजनों ने सेक्टर-4 थाना पुलिस से मदद की गुहार लगाई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सेक्टर-4 थाना पुलिस ने तत्परता दिखाई।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' एवं साइबर अपराध जागरूकता कार्यशाला आयोजित

नवप्रदेश/गुमला। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, रायडीह में बुधवार को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान एवं साइबर अपराध की रोकथाम विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ प्रधान हांसदाक ने कहा कि एक समय समाज में बेटियों के साथ भेदभाव किया जाता था, लेकिन आज वेदा और बेटी दोनों को समान शिक्षा और समान अवसर प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं प्रशासन, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान, रक्षा सहित



विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने छात्राओं से लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा को जीवन का उद्देश्य बनाने तथा निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

रायडीह थाना प्रभारी संदीप कुमार यादव ने साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर विस्तार से जानकारी देते हुए ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के

उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करानी चाहिए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम के दौरान 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' विषय पर स्लोगन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की वार्डेन संतोषी कुमारी, आईसीडीएस कार्यालय रायडीह की महिला पर्यवेक्षिका लीलामणि बेक, आयुषी कुमारी सहित विद्यालय की छात्राएं एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

सदर अस्पताल की लघु व्यवस्था: इलाज के अभाव में 10 वर्षीय बच्ची ने तोड़ा दम

नवप्रदेश/बोकारो। सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली एक बार फिर एक मासूम की जान पर भारी पड़ी। इलाज में देरी और घोर लापरवाही के चलते 10 वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित 'आम आदमी पार्टी' बोकारो जिला इकाई ने आज उपायुक्त और सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। मृतक बच्ची चन्दनकियारी प्रखंड के बनगड़िया गांव की रहने वाली थी। परिजनों के अनुसार, बच्ची को दस्त, उल्टी और तेज पेट दर्द के साथ डी-हाइड्रेशन की शिकायत थी। परिजन उसे लेकर शाम को ही सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन आरोप है कि घंटों बीत जाने के बाद भी कोई डॉक्टर देखने नहीं आया। पूरी रात तड़पने के बाद हलाक के अभाव में बच्ची ने दम तोड़ दिया। जिला संयोजक



धर्मेन्द्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन के सामने तीन बड़े सवाल खड़े किए हैं: लापरवाही का जिम्मेदार कौन: समय पर उपचार क्यों नहीं मिला? डॉक्टर ड्यूटी पर थे या नहीं? कोरोना काल में बना 10 बेड का ढक्कन (पेडियाट्रिक आईसीयू) आज भी पूर्ण रूप से संचालित क्यों नहीं है? बच्चों के लिए वेंटिलेटर सुविधा धूल क्यों फांक रही है?

बोकारो परिसदन में सदाचार समिति की बैठक

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो परिसदन के सभागार में बुधवार को झारखंड विधानसभा की सदाचार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति सह मन्त्रिा विधायक श्री रामचंद्र सिंह और समिति के सदस्य सह सिंदरी विधायक श्री चंद्रदेव महतो ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के विभिन्न विभागों में लंबित अनुकंपा आधारित नियुक्ति, पेंशन से जुड़े प्रकरणों और अन्य जनहित की योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करना था। स्थापना उप समाहर्ता ने समिति को अवगत कराया कि वर्ष 2023 से 2026 तक अनुश्रुति कुल 80 मामलों का सफलतापूर्वक निष्पादन कर लिया गया है और वर्तमान में कोई भी मामला लंबित नहीं है। सभापति श्री रामचंद्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भविष्य में भी आम नागरिकों से जुड़े मामलों का निष्पादन समयबद्ध और पूर्ण पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान होना चाहिए।

एक भी वैध मतदाता का नाम नहीं छूटने देंगे, लोकतंत्र की रक्षा कांग्रेस की जिम्मेदारी: बंधु



नवप्रदेश/गुमला। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर कांग्रेस ने गुमला जिले में अपनी संगठनात्मक सक्रियता और तेज कर दी है। बुधवार को पूर्व मंत्री बंधु तिकी ने जिले के घाघरा प्रखंड की चुंदरी पंचायत, सिसई प्रखंड की बोण्डों पंचायत तथा भरनो प्रखंड की आताकोरा पंचायत का दौरा कर पंचायत समिति और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बूधवार प्रगति की समीक्षा की गई तथा कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकी ने कहा कि कांग्रेस केवल चुनाव लड़ने वाली पार्टी नहीं, बल्कि जनता की सेवा और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा

कि मतदाता सूची लोकतंत्र की रीढ़ है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट जाता है तो उसका संवैधानिक अधिकार प्रभावित होता है। इसलिए यह अभियान किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे हर गांव, हर टोला और हर बूथ तक पहुंचें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी वैध मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का

उत्पादन में अट्ठल, सुविधाओं में फिसड़ी बना एसएमएस न्यू विभाग : बीएकेएस



नवप्रदेश/बोकारो। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (बीएसएल) के एसएमएस न्यू विभाग में कर्मचारियों की बुनियादी समस्याओं को लेकर असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। बीएसएल अनाधिशाली कर्मचारी संघ (बीएकेएस) की एसएमएस न्यू शाखा की बैठक बुधवार को विभागीय कैटैन रेस्ट रूम में आयोजित हुई, जिसमें कर्मचारियों ने विभागीय प्रबंधन पर उत्पादन लक्ष्य को प्राथमिकता देकर कर्मचारियों की सुविधाओं की लगातार अनदेखी करने का आरोप लगाया। बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने कहा कि एसएमएस न्यू विभाग हर माह उत्पादन के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, लेकिन कर्मचारियों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। उनका आरोप था कि विभाग अब समस्याओं के मामले में पुराने विभागों को भी पीछे छोड़ता नजर आ रहा है। बैठक में वर्ष 2027 के वेज रिवीजन, वर्ष 2017 से लंबित वेज रिवीजन एवं प्रत्येक

मानकों के अनुरूप भोजन एवं नाश्ता उपलब्ध नहीं होने पर भी कर्मचारियों ने नाराजगी व्यक्त की। बैठक में मौजूद कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यूनियन के संघटन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करने का भी संकल्प लिया। बैठक को शाखा अध्यक्ष दिलीप कुमार, महासचिव हरिओम, कोषाध्यक्ष राहुल प्रसाद साव, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार तथा विभागीय प्रतिनिधि अजय कुमार ने संबोधित किया। विभागीय प्रतिनिधि अजय कुमार ने कहा कि विभागीय प्रबंधन का पूरा ध्यान केवल उत्पादन बढ़ाने और नए रिकॉर्ड बनाने पर केंद्रित है।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में डिजिटल डिटाॅक्स एवं राजयोग मेडिटेशन कार्यक्रम आयोजित

नवप्रदेश/गुमला। ब्रह्माकुमारसं संस्थान के तत्वावधान में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में डिजिटल डिटाॅक्स एवं नैतिक मूल्य उत्थान कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोलकाता से पथारी राजयोग शिक्षिकाएं बीके चंद्रा बहन एवं बीके अंजना बहन विशेष रूप से उपस्थित रहीं।इस अवसर पर बीके चंद्रिका बहन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वर्तमान समय में मोबाइल, इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी तथा डिजिटल डिटाॅक्स के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को तकनीक का उपयोग संतुलित रूप से करते हुए अपने समय, ऊर्जा और एकग्रता का सदुपयोग करना चाहिए। साथ ही उन्होंने राजयोग मेडिटेशन को तनावमुक्त एवं सकारात्मक जीवनशैली का प्रभावी माध्यम बताया।कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की सभी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। छात्राओं को आत्मविश्वास, आत्मअनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक चिंतन के विकास हेतु प्रतिदिन राजयोग मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।इसके अतिरिक्त राजकीय उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के मध्य भी नैतिक मूल्यों के संवर्धन तथा मानसिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से राजयोग मेडिटेशन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।



एक नजर

कार्ड धारी,राशन डीलर,सरकारी तंत्र जवाबदेही सबकी तय होनी चाहिए : परवेज आलम

नवप्रदेश/गुमला। सरकार द्वारा फर्जी राशन कार्ड धारियों से जुमाना वसूला जाना निश्चित रूप से उचित कदम है। लेकिन यह सवाल उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या इस पूरे घोटाले में सिर्फ कार्ड धारक ही दोषी है? सच्चाई यह है कि यह एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक पूरे सिस्टम की विफलता है, अगर फर्जी राशन कार्ड बना, तो—किस अधिकारी ने सत्यापन किया? किस विभाग ने मंजूरी दी?किस राशन दुकानदार ने लगातार वितरण किया?बिना सरकारी तंत्र और राशन दुकानदार की मिलीभगत के यह संभव ही नहीं है। मेरे विचार से सभी दोषियों पर समान और कठोर कार्रवाई हो,फर्जी राशन कार्ड धारियों से वसूली हो, लेकिन साथ ही:संबंधित सरकारी अधिकारी/कर्मचारी की जिम्मेदारी तय हो संबंधित राशन दुकानदार (डीलर) की भूमिका की जांच हो, पूरे सिस्टम की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो, क्या यह अन्याय नहीं होगा की। कार्डधारी को ही दोषी ठहराकर वसूली की जाए जबकि असली दोषी तंत्र और भ्रष्टाचार की जड़ें बच जाएं।अगर कार्रवाई करनी है तो ,पूरी चेन पर करें, सिर्फ कमजोर कड़ी पर नहीं करना यह अभियान न्याय नहीं, बल्कि एकतरफा उन्नीड़न माना जाएगा न्याय तभी होगा जब कार्डधारी ,राशन डीलर ,सरकारी तंत्र तीनों की जवाबदेही तय होगी।



जिला योजना क्रियान्वयन समिति की बैठक, योजनाओं की समीक्षा

नवप्रदेश/बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त श्री अजय नाथ झा की अध्यक्षता में जिला योजना क्रियान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिला अनाबद्ध निधि से प्राप्त आवंटन और प्रस्तावित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025-26 की लंबित योजनाओं की प्रगति का भी जायजा लिया गया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्राप्त आवंटन का व्यय निर्धारित अनुपात में किया जाएगा। इसके तहत 30 प्रतिशत राशि बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर, जबकि 15-15 प्रतिशत राशि पेयजल, शिक्षा, सिंचाई तथा आजीविका एवं स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च की जाएगी। शेष 10 प्रतिशत राशि आकस्मिक कार्यों के लिए आरक्षित रखी गई है। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और टिकाऊपन पर जोर देते हुए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अब किसी भी योजना के प्राक्कलन (रिड्रैश) में केवल निर्माण कार्य की नहीं, बल्कि उनके तीन से पांच वर्षों तक के रखरखाव (मैन्टेनेन्स) का प्रावधान भी शामिल करना अनिवार्य होगा। इससे निर्मित परिसरपतियां लंबे समय तक आम जनता के लिए उपयोगी बनी रहेंगी।उनआरपी, स्पेशल डिवीजन, पेयजल एवं रचच्छता विभाग, चास और लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंताओं को उपायुक्त ने सभी स्वीकृत योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।



एसपी ने आधी रात को सड़क पर उतरकर परखी सुरक्षा, लापरवाहों को दी चेतावनी

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करने के लिए बोकारो पुलिस ने अपनी कमर कस ली है। इसी कड़ी में, देर रात्रि पुलिस अधीक्षक ने औचक निरीक्षण (सुराघ्राइन इस्पेक्शन) के जरिए शहर के प्रमुख थानों—सिटी थाना, सेक्टर-4 थाना और हरला थाना क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की जमीनी हकीकत जानी। देर रात एसपी की मौजूदगी से गश्ती दलों में हड़कंप की स्थिति रही। उन्होंने न केवल गश्ती दलों की सतर्कता को परखा, बल्कि खुद सड़कों पर खड़े पुलिस वाहनों की चेकिंग प्रक्रिया का जायजा लिया। एसपी ने स्पष्ट संदेश दिया कि सुरक्षा कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। जीरो टॉलरेंस ऑन 'ड्रक एंड ड्राइव': शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ अब विशेष अभियान चलेगा। एसपी ने मौके पर ही चालान काटने और सख्त दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। एंटी-क्राइम चेंकिंग: अपराधियों की आवाजाही को रोकने के लिए एंटी और एंजिंट पॉइंट्स पर सख्त चेकिंग करने को कहा गया है।संदिग्धों पर 'पैनी नजर': हरला और सेक्टर-4 जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सतिय दिखने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की जाएगी। पुलिस की सक्रियता: सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपनी टीम के साथ पेट्रोलिंग को केवल रस्म अदायगी ही न बनाकर उसे प्रभावी बनाएं। निरीक्षण के दौरान मौजूद पुलिस उपाधीक्षक (नगर) और थाना प्रभारियों को एसपी ने निर्देशित किया कि वे संवेदनशील इलाकों में गश्ती की फ्रीक्वेंसी बढ़ाएं। उन्होंने कहा आम जनता के बीच पुलिस की उपस्थिति ऐसी होनी चाहिए कि अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचें।



रोजगार, मुआवजा और पुनर्वास की मांग को लेकर रैयतों का प्रदर्शन

नवप्रदेश/बोकारो। गोंमिया प्रखंड के मौजा कोतरे एवं हुदाग के रैयतों तथा भूमि-विस्थापित परिवारों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर राज्यसभा सांसद एवं कोयला एवं खान सलाहकार समिति के सदस्य खीरू महतो को 12 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने केजीपी (कोतरे-बसंतपुर-पचमो) कोल परियोजना तथा केंदला-दनिया रेल लाइन निर्माण से प्रभावित परिवारों को रोजगार, उचित मुआवजा, पुनर्वास एवं स्थानीय अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की। रैयतों ने सांसद को बताया कि परियोजना के कारण सैकड़ों किसान एवं ग्रामीण अपनी जमीन और आजीविका से प्रभावित हुए हैं, लेकिन आज तक उन्हें न तो वर्तमान बाजार दर के अनुरूप मुआवजा मिला और न ही रोजगार एवं पुनर्वास की समुचित व्यवस्था की गई। स्थानीय युवाओं को परियोजना में प्राथमिकता नहीं मिलने से ग्रामीणों में गहरा असंतोह है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग-पत्र में सभी वास्तविक रैयतों एवं भूमि-विस्थापित परिवारों को समान रूप से स्थायी रोजगार, पारदर्शी पुनर्वास, वैकल्पिक औजीविका, कोयला रोड सेल में भागीदारी तथा वैधानिक अधिकार सुनिश्चित करने की मांग रखी। साथ ही दखल-कच्चाधारी एवं वास्तविक रैयतों को कानूनी मान्यता देकर उनके अधिकारों की रक्षा करने की भी मांग की गई।

'बोकारो एक्शन प्लान' के तहत पंचायतों के चहुंमुखी विकास का संकल्प

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो जिले में चयनित पंचायतों को आदर्श, समावेशी और सतत विकास के नए प्रतिमान के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। जैनमोड़ स्थित स्वयंसेवक होटल में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में 'बोकारो एक्शन प्लान' के प्रभावी क्रियान्वयन और विभिन्न सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में 'प्रदान' संस्था की पीयूषमयी ने ग्राम पंचायत विकास योजना और डनकम2.0 के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सटीक योजना निर्माण ही विकास की कुंजी है। उन्होंने पंचायतों की भूमिका को स्पष्ट करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही समावेशी विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। सुरुज सेन ने राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड मिलेट मिशन, किसान समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री कुसुम (डट-ड्वरवट) योजना, पर ड्रॉप मोर फ्रंट (डब्ल्यू), राज्य उद्यान विकास योजना और मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना जैसी जनोपयोगी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पंचायतों को इन योजनाओं के पात्र लाभुकों की पहचान करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।'सहयोगिनी' संस्था के गौतम सागर ने जानकारी दी कि साथी नेटवर्क के जरिए बोकारो की 30 चयनित पंचायतों को केंद्रित कर एक विशेष एक्शन प्लान तैयार किया गया है।



सड़क हादसों का कहर: तीन अलग-अलग दुर्घटनाओं में टोटो चालक समेत दो की मौत

नवप्रदेश/दुमका। जिले में बुधवार का दिन सड़क हादसों के नाम रहा। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई तीन दुर्घटनाओं में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक ट्रक चालक घायल हो गया। हादसों के बाद घटनास्थलों पर लोगों की भीड़ जुट गई और कई जगहों पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

नकटी हाईवे पर कोयला वाहन की टक्कर से टोटो चालक की मौत

पहली घटना दुमका के नकटी के पास हाईवे पर हुई। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार कोयला वाहन ने टोटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टोटो चालक ने मौके पर ही



दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र के निवासी के रूप में बताई जा रही है। घटना के

बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर जाम लगा दिया

और मृतक के परिजनों को मुआवजा देने तथा दोषी वाहन चालक पर कार्रवाई की मांग करने

लगे। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। तालझारी के मचकोल में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक दूसरी घटना तालझारी थाना क्षेत्र के मचकोल गांव के पास हुई। यहां एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने घायल चालक को बाहर निकाला और इलाज के लिए भेजा।

दुमका हवाई अड्डा के सामने बाइक-ट्रैक्टर की जोरदार टक्कर तीसरी घटना दुमका हवाई अड्डा के

सामने हुई, जहां ट्रैक्टर और बाइक के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मसलिया थाना क्षेत्र के बसजोड़ा गांव निवासी हीरालाल मिर्चा के रूप में हुई है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने मुफर्रिसल थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया। लगातार हो रहे सड़क हादसों ने जिले में यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस सभी मामलों की जांच में जुटी हुई है।

गिरिडीह के प्रधान डाकघर और पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की मिली धमकी

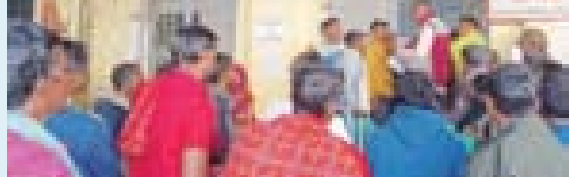
नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह के प्रधान डाकघर और डाकघर में संचालित पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ईमेल किसी रेवेन कासिम के नाम से डाक विभाग और पासपोर्ट ऑफिस को भेजा गया है। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद गिरिडीह नगर थाना की पुलिस अलर्ट हुई। नगर थाना प्रभारी रतन सिंह ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एक फिल्म कट्टेस निवेद्या पिथौराज के हवाले से ये धमकी भरा ईमेल किया गया है, जिसमें पैगम्बर मोहम्मद के अपमान का बदला लेने के लिए गिरिडीह के प्रधान डाकघर और पासपोर्ट ऑफिस को उड़ाने की धमकी दी गई है।

सहायक अध्यापकों के मानदेय बंद से हताश शिक्षक , मिले प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से



नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका जिले के रानीश्वर प्रखंड में बुधवार को विआरसी भवन रानीश्वर में सहायक अध्यापकों के मानदेय बंद एव विभिन्न समस्याओं को लेकर सहायक अध्यापक संघ रानीश्वर इकाई के अध्यक्ष एव प्रखंड सचिव के संयुक्त प्रतिनिधियों ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से और बि पी ओ से समस्या समाधान हेतु मुलाकात किया गया। जिसमें प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी और बि पी ओ दोनों के द्वारा असवामन एव विश्वास दिया गया कि अगला महने मानदेय जून एव जुलाई 2026 को एक साथ जोड़कर भुगतान कर दिया जायेगा, तथा दोनो पदाधिकारी ने स्वीकार करते हुए कहा कि कुछ तकनीकी खराबी के कारण मानदेय बंद जैसे घटना हुई है आगे ऐसा नहीं होगा पूर्ण रूप से मानदेय किसी सहायक अध्यापकों का बंद नहीं होगा। दोनों सहायक अध्यापकों प्रतिनिधि ने वार्ता के रूप कहा गया। जोर दार आंदोलन रानीश्वर बि आर सी के सामने किया जाएगा। मौके पर नंदलाल लायक अध्यक्ष, सेख मो आली सचिव, बबलू पांडे, मितन सोरेन, रामचंद्र सोरेन, मो नाज़िर आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाने के लिए शिविर का आयोजन



नवप्रदेश/दुमका। 15/72026को जिला स्तरीय दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनाने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सिविल सर्जन ने किया ।आज के जिला स्तरीय शिविर में दुमका जिला सभी प्रखंडों से दिव्यांगजन दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड बनाने के उपस्थित हुए। इस शिविर में कुल 4 विशेषज्ञों (डी) ने अपना सेवा दिये। विगत दो महिनों से मानसिक मंदता, मंदबुद्धि, मानसिक रोग के विशेषज्ञ उपस्थित हो रहे हैं। जिससे दुमका में मानसिक, मंदबुद्धि एवं मानसिक मंदता वाले दिव्यांगजन दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड बनवा रहे। आज के शिविर में कुल लगभग 158 दिव्यांगजन उपस्थित हुए कुछ को रेफर किया कुछ का यूडीआईडी कार्ड बना दिया। इस शिविर में बिरसा दिव्यांग समिति के पदाधिकरियों एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा दिव्यांगजनों को सहयोग कर रहे थे इस शिविर में बिरसा दिव्यांग समिति के प्रखण्ड अध्यक्ष शौकत अंसारी एवं प्रखंड समन्वयक श्री बाबुराम मंडल के संयुक्त कार्यों से काठीकुण्ड प्रखण्ड से लगभग 25 से अधिक दिव्यांगजनों को शिविर में लाया जिनका समिति के माध्यम से आनलाईन निबंधन करके जाँच करवाया। शिविर में सहयोग करने में समिति के कोषाध्यक्ष प्रियतम कुमार सिंह, अध्यक्ष नीतेश कुमार एवं उपेन्द्र राय आदि उपस्थित थे।

सपादा गांव की जर्जर सड़क बनी मुसीबत, बरसात में एम्बुलेंस तक नहीं पहुंच पाती, कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हुई मरम्मत

नवप्रदेश/ईचागढ़। सरायकेला - खरसावां जिला अंतर्गत चाँडिल अनुमंडल क्षेत्र के कुकड़ू प्रखंड के सपादा गांव की मुख्य सड़क बदहाल स्थिति के कारण ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है. गांव की लगभग 400 से 500 मीटर लंबी सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। बरसात के दिनों में सड़क कीचड़ और बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिससे लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

सड़क की खराब स्थिति का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, किसानों और मरीजों पर पड़ रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दौरान सड़क पर जलजमाव और कीचड़ होने के कारण वाहनों का परिचालन लगभग ठप हो जाता है। कई बार



बाइक और साइकिल सवार फिसलकर दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं। सबसे गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब किसी मरीज को अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ती है। सड़क खराब रहने के कारण एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती, जिससे मरीजों को चारपाई या अन्य साधनों से मुख्य

सड़क तक लाना पड़ता है। इससे आपातकालीन स्थिति में मरीजों की जान पर भी खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे कई बार प्रखंड प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को लिखित रूप से अवगत करा चुके हैं. इसके बावजूद आज तक सड़क निर्माण

या मरम्मत की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। हर वर्ष बरसात में यही स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है. ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की बदहाली के कारण गांव का विकास भी प्रभावित हो रहा है। किसानों को कृषि उपज बाजार तक पहुंचाने में

परेशानी होती है, जबकि विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में ग्रामीणों का दैनिक जीवन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है. ग्रामीणों ने राज्य सरकार, जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि जनहित को देखते हुए सपादा गांव की मुख्य सड़क का अविलंब निर्माण अथवा मरम्मत कराई जाए। उनका कहना है कि सड़क बनने से हजारों ग्रामीणों को राहत मिलेगी और गांव में आवागमन के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि गतिविधियां भी सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगी. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

ने कहा कि सपादा गांव की सड़क की खराब स्थिति के कारण गांव का विकास भी प्रभावित हो रहा है. ग्रामीणों ने राज्य सरकार, जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि जनहित को देखते हुए सपादा गांव की मुख्य सड़क का अविलंब निर्माण अथवा मरम्मत कराई जाए। उनका कहना है कि सड़क बनने से हजारों ग्रामीणों को राहत मिलेगी और गांव में आवागमन के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि गतिविधियां भी सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगी. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

एक नजर

मतदान केंद्रों पर इछड-इछअ-2 की दूसरी बैठक और चुनाव पाठशाला आयोजित



नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह में विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्तम2026) के तहत सभी मतदान केंद्रों पर इछड-इछअ-2 की दूसरी बैठक और चुनाव पाठशाला आयोजित हुई। वरीय अधिकारियों ने निरीक्षण कर मतदाता सूची को शत-प्रतिशत शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिए। बैठक में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट (अरउऊ) मतदाताओं के सत्यापन, नाम जोड़ने-घटोपन तथा इछड-इछअ-2 के बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रामनिवास यादव ने अभियान की नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फोरलेन सड़क निर्माण को लेकर एसडीएम ने धार्मिक स्थलों के संबंध में स्थानीय लोगों से की वार्ता



नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह में निमाणाधीन फोरलेन सड़क परियोजना की जाद में आ रहे धार्मिक स्थलों के संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) धीरेड्र कुमार ने संबंधित अधिकारियों के साथ विष्णुपुर एवं कल्याणडीह का दौरा किया। इस दौरान अंशलाधिकारी जितेंद्र कुमार, सहायक नगर आयुक्त अशोक हांसदा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए कहा कि सड़क निर्माण क्षेत्र के विकास और जनसुविधा की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना है। उन्होंने लोगों से आपसी समन्वय और सहमति के साथ आगे की प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की। विष्णुपुर और कल्याणडीह के ग्रामीणों ने अधिकारियों की बात सुनी और कहा कि वे इस विषय पर आपस में बैठक कर विचार-विमर्श करेंगे। ग्रामीणों ने कुछ दिनों का समय मांगा है। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल एसडीएम से मिलकर आगे के निर्णय से अवगत कराएगा। प्रशासन ने कहा कि स्थानीय लोगों से संवाद और आपसी सहमति के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी, ताकि विकास कार्य भी आगे बढ़े और सभी पक्षों की भावनाओं का सम्मान बना रहे।

15 दिवसीय योग, आयुर्वेद एवं नशा मुक्ति शिविर का भव्य समापन, स्वस्थ जीवन का लिया संकल्प

नवप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा मारवाड़ी घर्मशाला में आयोजित 15 दिवसीय योग, आयुर्वेद दर्शन एवं नशा मुक्ति शिविर का बुधवार को गरिमाभय वातावरण में समापन हुआ। पंद्रह दिनों तक चले इस शिविर में व्यापारियों, युवाओं और नगरवासियों ने योग, प्राणायाम, आयुर्वेद तथा स्वस्थ जीवनशैली का प्रशिक्षण प्राप्त किया।समापन समारोह में चैंबर अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने मुख्य योग प्रशिक्षक किशोर मिश्रा को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष सह चैंबर महासचिव मनोज कुमार चौधरी ने कहा कि आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में योग स्वस्थ और संतुलित जीवन की अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर नियमित योग अपनाने का आह्वान किया।योग प्रशिक्षक किशोर मिश्रा ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का पुनरावलोकन कराते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा आयुर्वेद प्राकृतिक एवं संतुलित जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति है।पतंजलि योगपीठ के जिला प्रतिनिधि नंदकिशोर झा, वीरेंद्र नाथ महतो एवं विश्वनाथ परिहारी ने योग और भारतीय जीवन पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला। चैंबर अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि संस्था आगे भी सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग, आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

वन विभाग की लापरवाही के कारण किसानों को उठाना पड़ रहा है नुकसान

नवप्रदेश/ईचागढ़। प्रखंड क्षेत्र सहित पूरे चाँडिल अनुमंडल क्षेत्र जंगली हाथियों की अत्याचार से ग्रसित है। बुधवार करीब शाम 4 बजे ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के सोडों पंचायत अंतर्गत तालापीढ़ी निवासी किसान निमाई चंद्र महतो के खेत में लगे धान की बिछड़ा को जंगली हाथी द्वारा नष्ट कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार दो जंगली हाथी द्वारा धान की बिछड़ा को रेंद कर नष्ट किया है। वर्तमान समय में पूरे प्रखंड क्षेत्र में धान रोपनी का कार्य जोर शोर से किया जा रहा है। रोपनी के समय धान की बिछड़ा को नष्ट करने से किसान मायूस है। किसान निमाई चंद्र महतो ने बताया कि धान की बिछड़ा पूरी तरह से तैयार हो गया था और दो दिन बाद रोपनी का कार्य करना था। ऐसे समय में जंगली हाथी द्वारा धान की बिछड़ा को नष्ट कर दिया कि रोपनी का कार्य पीछे हो जाएगा और समय पर खेती नहीं हो पाएगा। मालुम हो कि विगत दो दिन पूर्व चुनौडीह गांव में जंगली हाथी द्वारा आधा दर्जन किसानों के खेत में लगे धान की बिछड़ा को नष्ट कर दिए थे। लगातार जंगली हाथी द्वारा किसानों को किए जा रहे परेशान से किसान मायूस है।

नरसिंह इस्पात कंपनी से जुड़े लोगों पर बुजुर्ग से मारपीट का आरोप, कथित जमीन विवाद का मामला

नवप्रदेश/चाँडिल। सरायकेला खरसावां जिले के चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत खुंटी पहाड़भार स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी पर गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि कंपनी से जुड़े लोगों ने एक बुजुर्ग के साथ मारपीट की है, जिसमें वे घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि चावलीबासा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में घायल बुजुर्ग का इलाज चल रहा है। घटना मंगलवार की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, खुंटी निवासी बुजुर्ग अतुल महतो कंपनी से सटे अपनी रैयती जमीन पर पहुंचे थे, जहां पर कंपनी के कुछ लोगों से कहासुनी हुई और कथित हिंसक झड़प हो गई। इसके बाद अतुल महतो के परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अतुल महतो



ने आरोप लगाया है कि नरसिंह इस्पात कंपनी उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर रही है और जब इसका विरोध किया तो कंपनी के प्रतिनिधियों ने दुर्व्यवहार और मारपीट की। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, भारी बारिश से नरसिंह इस्पात कंपनी की चारदीवारी के किनारे मिट्टी धंस रहा है। इसके लिए कंपनी प्रबंधन की ओर मिट्टी का कटाव रोकने के लिए गाईवाल निर्माण कराया जा रहा है। जिस जगह पर

गाईवाल निर्माण कराया जा रहा है वहां से सटा हुआ जमीन अतुल महतो की है। गाईवाल निर्माण पर अतुल महतो ने आपत्ति जताई है। अतुल महतो के अनुसार, गाईवाल निर्माण की आड़ में उनकी जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। जब विरोध किया गया तो उनके साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार और मारपीट की गई। हालांकि, इस कथित घटना को लेकर नरसिंह इस्पात कंपनी की ओर से अबतक किसी तरह का बयान सामने नहीं आया है। यदि कंपनी की ओर से बयान आती हैं तो उसे भी पाठकों के बीच प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं, इस मामले में चौका पुलिस ने बताया कि किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं आया है। यदि लिखित शिकायत मिलेगी तो मामले की जांच की जाएगी।



सीबीएसई की प्रणाली पर सुप्रीम सख्ती

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर की गई सख्त टिप्पणी केवल एक तकनीकी व्यवस्था पर सवाल नहीं है, बल्कि देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। अदालत ने जिस प्रकार छात्रों की निराशा और हताशा का उल्लेख किया, वह इस बात का संकेत है कि यदि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता और भरोसा कमजोर पड़ता है, तो इसका सीधा असर लाखों विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और अवसरों पर पड़ता है। सीबीएसई ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन को अधिक तेज, सुरक्षित और मानकीकृत बनाने के उद्देश्य से ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली डिजिटल रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इससे और मुश्किलाओं के गुम होने, छेड़छाड़ और अनावश्यक विलंब जैसी समस्याओं को कम करने की उम्मीद थी। डिजिटल मूल्यांकन आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता भी है। इसलिए केवल तकनीक को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन किसी भी तकनीकी व्यवस्था की सफलता उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। यदि परीक्षकों को पर्याप्त प्रशिक्षण न मिले, स्क्रीन पर उत्तर स्पष्ट दिखाई न दें, अंक दर्ज करने में तकनीकी त्रुटियां हों या उत्तरों का समुचित मूल्यांकन न हो, तो पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी ओर संकेत करते हुए इसे डिजिटल रूप में प्रस्तुत किया है। यह चिंत इंसलिए और मुश्कलाओं के क्योंकि बोर्ड परीक्षा के अंक छात्रों के उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति और रोजगार के अवसरों को प्रभावित करते हैं। सरकार द्वारा एस. राधा चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति का गठन कारात्मक कदम है। हालांकि केवल समिति बनाना पर्याप्त नहीं होगा। उसकी सिफारिशों को सम्यब ढंग से लागू करना, प्रभावी कार्रवाओं का निश्चित प्रशिक्षण, मूल्यांकन प्रक्रिया का स्वतंत्र ऑडिट तथा छात्रों के लिए प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि किसी छात्र को मूल्यांकन में त्रुटि का संदेह हो, तो उसे पारदर्शी और त्वरित पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलना चाहिए। याचिका में 75 प्रतिशत अंकों की अनिवार्यता में छूट की मांग भी उठाई गई है। यह मुद्दा अलग प्रकृति का है। किसी भी प्रवेश नीति में बदलाव व्यापक रोकथाम और संस्थागत विचार-विमर्श के बाद ही होना चाहिए। मूल्यांकन संबंधी तकनीकी कमियों का समाधान आवश्यक है, लेकिन उसमें आधार पर सामान्य रूप से पात्रता मानदंडों में छूट देना दीर्घकालिक समाधान नहीं माना जा सकता। यदि वास्तव में किसी छात्र को मूल्यांकन संबंधी त्रुटि से नुकसान हुआ है, तो उसके लिए न्यायसंगत और लब्धित राहत का प्रबंधन होना चाहिए। भारत की शिक्षा व्यवस्था तेजी से डिजिटल हो रही है। ऐसे समय में तकनीक का उद्देश्य केवल प्रक्रिया को तेज बनाना नहीं, बल्कि उसे अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की यह फैल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। अतः केन्द्र सरकार और सीबीएसई की जिम्मेदारी है कि वे इस अवसर को सुधार के रूप में लें, ताकि छात्रों का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। यही किसी भी आधुनिक और उत्तरदायी शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी कसौटी है।

मुद्दा

दान का 'हिसाब' मांगने वाले कालनेमियों सुनो...!

प्रणय विक्रम सिंह

स्वस्तलनिगुतिपूर्वक परस्वलोत्पादनं दानम् के दिव्य उद्देश से सिंचित इस घरा पर दान कोई भीतिक सोदा या व्यापार नहीं बल्कि आत्मा की परम शुद्धि और प्रभु के चरणों में सर्वस्य समर्पण का महामार्ग है, लेकिन आज राजनीति के कुछ आधुनिक कालनेमी प्रभु श्री राम के इस पावन दरबार में भी अपनी नफ़रत की दुकान चमकाने के लिए कमीशन और हिसाब का झूठा बखेड़ा खड़ा कर रहे हैं। सत्ता से दूर होकर छटपटा रहे इन दिशाहीनों को शायद समानतः का गौरवशाली इतिहास नहीं मालूम, वरना तगादा करने से पहले वे अपने पूर्वजों की उस महान विरासत को याद कर लेंते जहाँ देवराज बलि ने भगवान वामन को तीन पग भूमि दान करते समय गुरु शुक्राचार्य के प्रलंब विरोध के बाद भी अपने कदम पीछे नहीं खींचे थे और सर्वस्य सोपने के बाद कभी लौटकर स्वर्ग की रसीद बुक नहीं मांगी थी। टीक इसी त्याग परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सूर्यपुत्र कर्ण ने अपने प्राणों की रक्षा करने वाले कपच-कुंडल हसंते-हसंते काटकर इद्र को दे दिए थे, पर कभी यह पुष्पे नहीं गए कि उन्हें किस अलमारी में छिपाकर रखा गया है, और इसी सत्य की रक्षा के लिए महाराज हरिश्चंद्र ने विश्वामित्र को अपना पूरा राज्य सौंपकर श्मशान में बांडाल की नौकरी स्वीकार की, जहां उनकी पत्नी और बच्चे तक बिक गए लेकिन उन्होंने कभी राजकोष के ऑडिट का इंचार्ज बनने की इच्छा नहीं जतायी। जब महर्षि दशिचि ने देवताओं के वज के लिए अपने प्राण त्यागकर हड़िया दान कर दी और महाराज शिबि ने एक शरणागत पक्षी के लिए अपने शरीर का जीवित मांस तौल दिया, तब इनमें से किसी ने भी तराजु और रसीद लेकर विथाता को कटघरे में खड़ा नहीं किया था, क्योंकि वे भली-भांति जानते थे कि प्रभु के चरणों में अर्पित वस्तु पर फिर इस शरभर संसार का कोई वैधानिक दावा नहीं रह जाता। परंतु आज की इस कलियुगी राजनीति में कुछ प्रचारीक चार साल बाद अचानक टीवी चैनलों पर बैटकर और हाथ में दान की तस्वीरें लहराकर वादी की ईंटो और रसीदों का ऐसा हिसाब मांग रहे हैं, जैसे उन्होंने प्रभु को दान नहीं बल्कि कोई कर्ज दिया हो। जिन्होंने खुद अपनी स्वेच्छ से समर्पण किया था, वे आज केवल अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए गबन का ढोंग रच रहे हैं, क्योंकि वास्तव में यह पीड़ा राम मंदिर की सुरक्षा या उसकी न्यायदा की है ही नहीं, बल्कि यह पीड़ा मीडिया में नाम चमकाने और अपने अहंकार की तुलि न होने की छटपटाहट है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने सात्विक दान की परिभाषा बताते हुए स्पष्ट कहा है कि श्रेष्ठ दान वही है जो बिना किसी बदले की भावना या सम्मान की लालसा के दिया जाए, और हमारी लोक-परंपरा भी यही कहती है कि दानिहो हाथ से दो तो बाएं हाथ को पता न चले, अन्यथा वह दान नहीं बल्कि एक घटिया प्रदर्शन मात्र बनकर रह जाता है। आज करोड़ों हिंदुओं के एक-एक रुपए के पवित्र सकल्य और अटुट आस्था से यह भव्य और गगनचुंबी मंदिर खड़ा हुआ है, और जिन्हें इस दिव्य शिखर की ऊंचाई में, धवल फर्शों की भव्यता में और रामलला के शीरचरणों के अलौकिक अलंकरण में अपना समर्पण दिखाई नहीं दे रहा, वधि निश्चित ही उनकी नियत और आंखों के राजनीतिक मोतियाबिंद का है। भ्रम फैलाकर अपनी रोटियां सेकने वाले इन राजनीतिक मिट्ठों को यह बात जान खोलकर सुन लेनी चाहिए कि राम मंदिर ट्रस्ट के उपसभाई लॉकर में सिंधी समाज द्वारा समर्पित सभी 200 चांदी की ईंटों के साथ-साथ कामगृभुशुडि जी की दिव्य प्रतिमा, प्रभु का स्वर्ण धनुष-बाण, चरण पादुकाएं और भक्तों का अर्पित किया गया एक-एक आभूषण पूरी तरह सुरक्षित है। इस सत्य को झुठलाने की कोशिश करने वाले भूल रहे हैं कि यह उत्तर प्रदेश है, जहां राम और राव के आराध्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज मुख्तमी की पर पर विराजमान हैं, जिनके राज में कोई चोर, कोई दग या कोई कुलुम्भी बक्कर निकल ही नहीं सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी का अपना कोई निजी परिवार नहीं है बल्कि वह पूरा राष्ट्र ही उनका परिवार है जिसके स्वाभिमान और वैभव के लिए वे दिन-रात अपने तेन-मन से जुटे हुए हैं।



डा. प्रियंका सीरथ

आज सबसे बड़ी आवश्यकता दोषारोपण की नहीं बल्कि संतुलन की है। हमें ऐसा समाज चाहिए जहां परिवार भी मजबूत हों और महिलाओं की प्रतिभा भी विकसित हो। जहां घरेलू कार्य का सम्मान हो और पेशेवर उपलब्धियों का भी। जहां बच्चों को माता-पिता दोनों का समय मिले और दोनों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर भी। आर्थिक नीतियां ऐसी हों कि शिक्षा और आवास आम नागरिक की पहुंच में पड़ें।



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिकी प्रतिबंधों और वैश्विक दबाव के बावजूद भारत ने चाबहार बंदरगाह परियोजना को कभी नहीं छोड़ा। यह परियोजना ईरान की अर्थव्यवस्था और उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जब अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ ईरान से दूरी बना रही थीं, तब भारत ने निवेश जारी रखा।

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा- बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी।

यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के

अभिव्यक्ति

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार



व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा। फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं। आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए।

इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखा जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेतों, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।

यही सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अप्रत्य महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई

महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सर्शाक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों- शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की नागरिकस्थिति केवल परिवारों की ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है।

निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। इनका समाधान लचीले कार्य घंटे, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, गुणवत्तापूर्ण डे-केयर, परिवार समर्थक नीतियों और कार्यस्थलों पर संवेदनशील वातावरण से निकलेगा। केवल महिलाओं को दोषी ठहराने से न तो महंगाई कम होगी और न ही परिवार मजबूत होगा। यह भी

समझना होगा कि अनेक महिलाओं के लिए नौकरी कोई शौक नहीं बल्कि आवश्यकता है। बढ़ती महंगाई, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा खर्च, आवास ऋण और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के कारण दोहरी आय कई परिवारों की मजबूरी बन चुकी है। दूसरी ओर लाखों महिलाएं अपनी प्रतिभा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक योगदान के लिए भी कार्य करना चाहती हैं। उनके निर्णय को केवल बाजार की साजिश बताना उनके व्यक्तित्व और अधिकारों दोनों को सीमित करता है।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज में पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बदल रही हैं। यदि दोनों कमाते हैं तो घरेलू जिम्मेदारियां भी दोनों को साझा करनी चाहिए। बच्चों का पालन-पोषण केवल मां का नहीं, पिता का भी समान दायित्व है। इसी प्रकार आर्थिक जिम्मेदारी केवल पुरुष की नहीं बल्कि आवश्यकता और सहमति के अनुसार दोनों की हो सकती है। आधुनिक परिवार की सफलता इसी साझेदारी में निहित है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता दोषारोपण की नहीं बल्कि संतुलन की है। हमें ऐसा समाज चाहिए जहां परिवार भी मजबूत हों और महिलाओं की प्रतिभा भी विकसित हो। जहां घरेलू कार्य का सम्मान हो और पेशेवर उपलब्धियों का भी। जहां बच्चों को माता-पिता दोनों का समय मिले और दोनों को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर भी। आर्थिक नीतियां ऐसी हों कि शिक्षा और आवास आम नागरिक की पहुंच में रहें। निजी संस्थाओं पर प्रभावी नियमन हो, गुणवत्तापूर्ण सरकारी विद्यालय और अस्पताल मजबूत किए जाएं तथा आवास क्षेत्र में पारदर्शिता और किरायात सुनिश्चित की जाए।

अंततः यह कहना कि आज की सारी आर्थिक समस्याओं की जड़ महिलाओं का रोजगार है, न तो न्यायसंगत है और न ही तथ्यों पर आधारित। तना ही गलत यह कहना होगा कि आधुनिक व्यवस्था में कोई समस्या नहीं है। वास्तविकता इन दोनों अंतियों के बीच है। परिवारों पर बढ़ता आर्थिक दबाव, बच्चों के लिए समय की कमी और सामाजिक बदलाव गंभीर मुद्दे हैं लेकिन इनके समाधान के लिए हमें व्यापक आर्थिक सुधार, परिवार समर्थक नीतियां और लैंगिक सहयोग की आवश्यकता है, न कि समाज के आधे हिस्से को समस्याओं का कारण घोषित करने की। किसी भी सभ्यता की मजबूती तब बढ़ती है जब वह अधिकार और उत्तरदायित्व, स्वतंत्रता और परिवार, विकास और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यही संतुलन भविष्य के स्वस्थ, समृद्ध और संवेदनशील समाज की आधारशिला बनेगा।

भारतीयों की मौत पर सन्नाटा क्यों?



भारतीय जनता के इस सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। यानी भारत ने सहानुभूति का प्रदर्शन करने के स्थान पर संकट की घड़ी में ईरान की वास्तविक मदद की। ईरान के पक्ष में जब भारत में रह रहे शिवा मुसलमान धन इकट्ठा कर रहे थे, तब कश्मीर घाटी से लेकर मेरठ, लखनऊ, अमरोहा, हैदराबाद, मुंबई, कागलिल और अन्य क्षेत्रों से नकद राशि के साथ-साथ सोने के आभूषण, चांदी के बर्तन और अन्य मूल्यवान वस्तुएं ईरान को आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गईं। यानी जो भी ईरान के पक्ष में संभव हो सकता था, वह सभी कुछ भारत सरकार ने अपने स्तर पर किया। जहां तक कि भारत के तत्मान गैर मुसलमानों ने भी शिवाओं के आह्वान पर यथासंभव मदद अपनी ओर से मुहैया कराई। अमेरिकी प्रतिबंधों और वैश्विक दबाव के बावजूद भारत ने चाबहार बंदरगाह परियोजना को कभी नहीं छोड़ा। यह परियोजना ईरान की अर्थव्यवस्था और उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जब अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ ईरान से दूरी बना रही थीं, तब भारत ने निवेश जारी रखा। यह कदम भरोसे और रणनीतिक साझेदारी के आधार पर उठाया गया, किंतु आज सवाल जवाबदेही का है। वस्तुतः भारत को यह पूछने का पूरा अधिकार है कि ऐसी शिवाओं का सामाजिक और भावनात्मक विकास सीमित होता है, और बुजुर्ग जीवन और उपेक्षा का सामना करते हैं। यहीं भारतीय परिवार व्यवस्था की

भारत के प्रत्येक नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ईरान क्या ठोस कदम उठा रहा है।

भारतीय नाविक किसी युद्ध का हिस्सा नहीं

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत विश्व के सबसे बड़े समुद्री मानव संसाधन प्रदाताओं में शामिल है। हजारों भारतीय व्यापारी जहाजों पर कार्य करते हैं। वे किसी सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं होते। वे वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं। ऐसे निर्दोष नागरिकों का किसी भी संघर्ष में शिकार बनना अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून और मानवीय सिद्धांतों, दोनों के विपरीत है। यदि सबसे अधिक भारतीय नाविक ही प्रभावित हो रहे हैं, तो यह भारत के लिए स्वाभाविक तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन गया है। एक स्वभाविक है कि इस पर घटनाक्रम ने देश के भीतर भी एक गंभीर बहस छेड़ दी है। जैसा कि बताया गया, जब ईरान संकट में था, तब भारत में अनेक स्थानों पर उसके समर्थन में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर अभियान चलाए गए। मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून की दुहाई दी गईं। करोड़ों रुपये का चंदा जुटाया गया। लोगों ने अपने आभूषण तब दान कर दिए, किंतु आज जब एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हुई, अनेक भारतीय घायल हुए और भारत सरकार को स्वयं ईरानी राजनयिकों को तलब कर विरोध उभार कराना पड़ा, तब वही मुखर आवाजें शांत हैं!

संयुक्त परिवार से एकल परिवार तक : क्या सांस्कृतिक शक्ति खो रहा भारत?



केलाशचन्द्र

आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि पीढ़ियों के बीच संवाद का तटु टूट रहा है। बच्चे डिजिटल संसार में अधिक हैं, युवा पीढ़ी रोजगार और प्रतिस्पर्धा के दबाव में है, और बुजुर्ग अक्सर उस घर में भी अप्रासंगिक बना दिए जाते हैं जिसे उन्होंने खड़ा किया। परिवारों में साथ बैठने की परंपरा घट रही है, साझा भोजन दुर्लभ होता जा रहा है

संयुक्त परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसमें बच्चे केवल अपने माता-पिता के साथ नहीं, बल्कि भाई-बहनों, चचेरे-ममेरे भाई-बहनों, दादा-दादी तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते हुए जीवन जीना सीखते हैं। जब तीन-चार बच्चे एक साथ खेलते हैं, साथ बैठकर भोजन करते हैं, अपने खिलौने और वस्तुएँ बाँटते हैं, छोटे-बड़े का ध्यान रखते हैं और छोटी-छोटी बातों पर रूठते-मनाते हैं, तब उनके भीतर बिना किसी औपचारिक शिक्षा के सामाजिक जीवन के संस्कार विकसित होने लगते हैं। वे समझते हैं कि जीवन केवल अपनी इच्छाओं की पूर्ति का नाम नहीं, बल्कि दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने का भी नाम है। परिवार उन्हें सभ्यता, सहिष्णुता, त्याग, धैर्य, अनुशासन, साझेदारी और परस्पर उत्तरदायित्व का व्यावहारिक प्रशिक्षण देता है। इसी वातावरण में परस्पर स्नेह, आत्मीयता, अपनापन और एक-दूसरे का सहारा बनने की भावना स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। मिलकर रहना, मिलकर काम करना, बाँटकर खाना और सुख-दुःख में साथ खड़ा रहना केवल नैतिक उपदेश नहीं रह जाते बल्कि दैनिक जीवन का सहज व्यवहार बन जाते हैं। यही अनुभव आगे चलकर सामाजिक समरसता, सद्भाव, सह-अस्तित्व और राष्ट्रीय एकात्मता की आधारशिला बनते

हैं। इस दृष्टि से परिवार वास्तव में समाज की पहली पाठशाला है, जहाँ अच्छे नागरिक ही नहीं, संवेदनशील और उत्तरदायी मनुष्य भी तैयार होते हैं। भारत की सभ्यता को यदि कुछ शब्दों में समझना हो तो कहा जा सकता है कि यह केवल भूगोल, राजसत्ता या अर्थव्यवस्था से निर्मित राष्ट्र नहीं है; यह परिवार, परंपरा, संस्कार और पीढ़ियों की निरंतरता से बनी हुई जीवन-व्यवस्था है। भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसका परिवार रहा है। यहीं परिवार केवल पति-पत्नी और बच्चों तक सीमित इकाई नहीं, बल्कि वह संस्था है जिसमें जीवन के मूल्य, आचरण की न्यायां, संबंधों का अनुशासन, कर्तव्य की भावना, त्याग की परंपरा और संस्कृति की धारा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रवहित होती रही है। यही कारण है कि भारतीय परिवार व्यवस्था को केवल सामाजिक ढाँचा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का जीवंत आधार माना गया है। आज यह आधार एक गंभीर संक्रमण से गुजर रहा है। संयुक्त परिवारों का स्थान तेजी से एकल परिवार लेते जा रहे हैं। शहरीकरण, रोजगार, उपभोक्तावादी जीवन-दृष्टि, निजी स्वतंत्रता की बढ़ती आकांक्षा और बदलती जीवन-शैली ने परिवार की संरचना को बदल दिया है। यह परिवर्तन केवल रहने की व्यवस्था का परिवर्तन नहीं है; यह भारतीय समाज की



आत्मा, उसकी सांस्कृतिक निरंतरता और पीढ़ियों के बीच जीवंत संवाद पर भी गहरा प्रभाव डाल रहा है। इसलिए प्रश्न प्रवहित यह नहीं है कि संयुक्त परिवार बेहतर है या एकल परिवार, बल्कि यह है कि क्या भारत अपनी परिवार-केन्द्रित सांस्कृतिक शक्ति को खोता जा रहा है? भारतीय परंपरा में संयुक्त परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं था। वह जीवन की सामूहिक साधना थी। उसमें दादा-दादी का अनुभव, माता-पिता का प्रश्रम, चाचा-चाची का सहयोग, भाई-बहनों का स्नेह और बच्चों की किलकारियाँ मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करते थे जिसमें व्यक्ति अकेला नहीं पड़ता था। जीवन की

कठिनाइयाँ साझा होती थीं, सुख-दुःख का भार बँटता था, निर्णयों में अनुभव का संतुलन होता था और बच्चों को स्वाभाविक रूप से अनेक संबंधों के बीच जीना सीखने का अवसर मिलता था। संयुक्त परिवार व्यक्ति को यह सिखाता था कि जीवन केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि दायित्व, अनुशासन और सहअस्तित्व का भी नाम है। इसके विपरीत एकल परिवार आधुनिक जीवन की अनिवार्यता के रूप में सामने आया। नौकरी, स्थानांतरण, महानगरीय जीवन, सीमित संसाधन और निजी जीवन की बढ़ती चाह ने इसे सामान्य बना दिया। यह स्वीकार करना होगा कि एकल परिवार के अपने कुछ व्यावहारिक लाभ हैं। उसमें

निर्णय लेने की सुविधा होती है, निजता अधिक होती है, आर्थिक प्रबंधन सरल होता है और पारिवारिक हस्तक्षेप अपेक्षाकृत कम होता है। परंतु यही एकल परिवार जब भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से कट जाता है, तब वह सुविधा का ढाँचा तो बनता है, लेकिन संस्कार का केंद्र नहीं रह पाता। परिणामस्वरूप पति-पत्नी पर मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ता है, बच्चों का सामाजिक और भावनात्मक विकास सीमित होता है, और बुजुर्ग जीवन और उपेक्षा का सामना करते हैं। यहीं भारतीय परिवार व्यवस्था की सांस्कृतिक शक्ति का प्रश्न सबसे महत्वपूर्ण हो जाता है। भारतीय परिवार की अमूल्य शक्ति उसकी संख्या या आकार में नहीं, बल्कि उसके संस्कार-तंत्र में रही है। यह परिवार ही था जिसने बच्चे को बोलना और चलना ही नहीं, बल्कि बड़ों का सम्मान करना, छोटे का संरक्षण करना, अतिथि का आदर करना, भोजन को प्रसाद की दृष्टि से देखना, पर्व-त्योहारों के माध्यम से सामूहिकता जीना, संकट में धैर्य रखना और व्यक्तिगत इच्छा से ऊपर परिवार के हित को रखना सिखाया। भारत में विद्यालय ज्ञान दे सकता है, राज्य अधिकार दे सकता है, बाजार सुविधा दे सकता है; पर चरित्र, संवेदना और सांस्कृतिक आत्मा देने का कार्य मुख्यतः

परिवार ही करता है। भारतीय परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उसने पीढ़ियों के बीच संबंधों को केवल जैविक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक संबंध के रूप में देखा। दादा-दादी और नाना-नानी केवल घर के बुजुर्ग नहीं होते थे; वे परिवार की स्मृति, अनुभव, लोकज्ञान, धार्मिक आस्था और जीवन-व्यवहार के जीवंत स्रोत होते थे। माता-पिता वर्तमान के संघर्ष और उत्तरदायित्व के प्रतीक होते थे। बच्चे भविष्य की संभावना होते थे। जब वे तीनों पीढ़ियाँ एक सूत्र में बंधी रहती थीं, तब परिवार केवल निवास नहीं रहता था, वह एक जीवित परंपरा बन जाता था। आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि पीढ़ियों के बीच संवाद का जीवंत स्रोत हो रहा है। बच्चे डिजिटल संसार में अधिक हैं, युवा पीढ़ी रोजगार और प्रतिस्पर्धा के दबाव में है, और बुजुर्ग अक्सर उस घर में भी अप्रासंगिक बना दिए जाते हैं जिसे उन्होंने खड़ा किया। परिवारों में साथ बैठने की परंपरा घट रही है, साझा भोजन दुर्लभ होता जा रहा है, घरों से कथा, संस्कार और पारिवारिक स्मृति का स्वर मंद पड़ रहा है। इसका परिणाम केवल इतना नहीं कि बुजुर्ग अकेले हो रहे हैं; इससे अगली पीढ़ी अपनी जड़ें, अपनी सांस्कृतिक स्मृति और अपने जीवन-मूल्यों से भी कटती जा रही है।

उपायुक्त ने महुआडांड प्रखंड का किया व्यापक निरीक्षण

विकास योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

- शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार के साथ लोगों की समस्याओं को दूर करना हो पहली प्राथमिकता:डीसी
- लंबित योजनाओं को अहिलंब पूर्ण करने को लेकर किया गया निर्देशित

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार के द्वारा आज महुआडांड प्रखंड का व्यापक दौरा कर विभिन्न विकास योजनाओं, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संस्थानों, निमाणाधीन परियोजनाओं तथा भारत निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत संचालित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के



गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन तथा आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पंचायत सचिवालय, अकसी का निरीक्षण किया। सचिवालय भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए उन्होंने भवन के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के लिए

भवन निर्माण विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, अकसी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, दवा उपलब्धता, साफ-सफाई एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ बनाने के

निर्देश दिए।

उपायुक्त ने उत्क्रमित प्लस-2 उच्च विद्यालय, बॉसकरचा का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इसी क्रम में उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (रकम) के तहत बृथ संख्या 244, 246 एवं 249 का निरीक्षण कर रकम से संबंधित कार्यों का जायजा लिया तथा बीएलओ को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। संचालित कार्यों का अवलोकन करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा सभी पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने निमाणाधीन एकलव्य विद्यालय, बॉसकरचा का निरीक्षण

कर निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया तथा गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित कार्यपालक एजेंसी को दिए। इसके बाद उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सेमरबुढ़नी एवं पंचायत सचिवालय, चैनपुर का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध जनसेवाओं एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। दौरे के दौरान उपायुक्त ने जीराफूल चावल एवं मूंफली प्रसंस्करण इकाई, महुआडांड का निरीक्षण कर उत्पादन, विपणन एवं स्थानीय किसानों को मिलने वाले लाभ की जानकारी प्राप्त की तथा इकाई के बेहतर संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने निमाणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भवन,

एक नजर

77वें वन महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विधायक प्रकाश राम

नवप्रदेश/लातेहार। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में लातेहार वन प्रमंडल द्वारा चंदवा प्रखंड के सिकन्ही (पंचायत भवन के समीप) में 77वें वन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लातेहार विधानसभा के माननीय विधायक श्री प्रकाश राम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर लातेहार के वन प्रमंडल पदाधिकारी (उम्ह) प्रवेश अग्रवाल ने मुख्य अतिथि विधायक प्रकाश राम को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इसके उपरांत माननीय विधायक प्रकाश राम एवं डीएफओ प्रवेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से पौधरोपण कर हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अपने संबोधन में विधायक प्रकाश राम ने कहा कि र वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की नींव भी रखते हैं।र उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान वन विभाग द्वारा नुक़्कड़ नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से लोगों को वृक्षारोपण, वन संरक्षण, जैव विविधता तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक किया गया। कलाकरों ने अपने संदेश के जरिए लोगों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्थानीय ग्रामीणों एवं बड़ी संख्या में आमजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

हेरहंज प्रखंड झामुमो कमिटी ने राज्यसभा सांसद बैदनाथ राम को सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) हेरहंज प्रखंड कमिटी ने बुधवार को राज्यसभा सांसद श्री बैदनाथ राम को ज्ञापन सौंपकर हेरहंज प्रखंड के ताशु ग्राम में प्रस्तावित खेल स्टेडियम के निर्माण पर असहमति जताई। प्रतिनिविमंडल ने मांग की कि स्टेडियम का निर्माण ऐसे उपयुक्त एवं सर्वसुलभ स्थान पर कराया जाए, जहाँ प्रखंड के अधिक से अधिक खिलाड़ियों एवं युवाओं को इसका लाभ मिल सके। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद राज्यसभा सांसद श्री बैदनाथ राम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिला प्रशासन से दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया। उन्होंने उपायुक्त (डीसी) एवं अंचल अधिकारी (सीओ) से बातचीत कर जनभावनाओं के अनुरूप स्टेडियम के निर्माण के लिए वैकल्पिक स्थान पर विचार करने का आग्रह किया। सांसद ने आश्वस्त किया कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उचित निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। झामुमो नेताओं ने कहा कि खेल स्टेडियम ऐसी जगह बनाया जाना चाहिए, जहाँ सभी पंचायतों के खिलाड़ियों की पहुँच आसान हो और खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर झामुमो जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, जिला उपाध्यक्ष चंद्रदेव उरांव, जिला सचिव रामबृक्ष भोगता, हेरहंज जिला परिषद सदस्य श्रीमती चंचला देवी, महिला कोषाध्यक्ष पूजा कुमारी,प्रखंड अध्यक्ष किंजय उरांव, प्रखंड सचिव यादव भोला, युवा मोर्चा अध्यक्ष रंकी कुमार लोहार, मो. खेलमन अंसारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष गेंदिया देवी, अरुण यादव, नकुल यादव, बिगन उरांव, सोनू कुमार चंद्रवंशी, केंद्रीय सदस्य सुदामा प्रसाद सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।0

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने पर बीएलओ को उपायुक्त ने किया सम्मानित

नवप्रदेश/लातेहार। विशेष गहन पुनरीक्षण (रकम)-2026 अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले मतदान केंद्र संख्या-262 (उक्रमित मध्य विद्यालय, सूरकड़ी), महुआडांड प्रखंड की बीएलओ श्रीमती लखनी नगोरिया को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त संदीप कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्रीमती लखनी नगोरिया ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान अपने मतदान केंद्र क्षेत्र में शत प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण एवं शत प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण सर्वप्रथम पूर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उनके उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठा एवं समयबद्ध निष्पादन की सराहना करते हुए उपायुक्त ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन कार्य में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में बीएलओ की सक्रिय भागीदारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाती है। उन्होंने सभी बीएलओ से इसी प्रकार समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की।उपायुक्त ने सम्मानित बीएलओ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका उत्कृष्ट कार्य अन्य कर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को समय-समय पर प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाता रहेगा।

मनिका थाना दिवस में 13 भूमि विवादों की सुनवाई, 11 मामलों का मौके पर हुआ निष्पादन

नवप्रदेश/लातेहार। जिले के मनिका थाना परिसर में बुधवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मनिका अंचलाधिकारी अमन कुमार एवं थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास ने संयुक्त रूप से लोगों की समस्याएं सुनीं। थाना दिवस में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं फरियादी अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचे। थाना दिवस के दौरान जमीन विवाद से जुड़े कुल 13 मामलों को सुनने आए। अधिकारियों ने सभी मामलों में दोनों पक्षों की बातें गंभीरता से सुनने के बाद 11 मामलों का मौके पर ही आपसी सहमति एवं प्रशासनिक पहल से निष्पादन कर दिया। वहीं शेष दो मामलों में कन्नूनी प्रक्रिया अपनाने की सलाह देते हुए संबंधित पक्षों को सक्षम न्यायालय में आवेदन करने को कहा गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में भूमि विवाद के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। थाना और अंचल कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ऐसे मामले पहुंच रहे हैं। इन्हीं विवादों का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियमित रूप से थाना दिवस का आयोजन किया जा रहा है। अंचलाधिकारी अमन कुमार और थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास भी ने लोगों से जरी है। तद्वि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सके। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अब तक लगभग 45 प्रतिशत मतदाता प्रपत्र ऑनलाइन अपलोड किए जा चुके हैं। आज 50 प्रतिशत ऑनलाइन अपलोड का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे हर हाल में पूरा करने के लिए सभी कर्मी पूरी मुस्तेदी से कार्य कर रहे हैं। बीडीओ सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज ने सभी संबंधित अधिकारियों, बीएलओ एवं कर्मियों को निर्देश दिया है कि अभियान को समयबद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जाए।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान ने पकड़ी रफ्तार, 45 प्रतिशत मतदाता प्रपत्र ऑनलाइन अपलोड

नवप्रदेश/बरवाडीह। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज के निर्देश पर बरवाडीह प्रखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान युद्धस्तर पर संचालित किया जा रहा है।

अभियान के तहत प्रखंड एवं अंचल के कर्मी मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ जुटे हुए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कर्मी घर-घर जाकर मतदाताओं से आवश्यक प्रपत्रों का सत्यापन एवं संग्रहण कर रहे हैं। साथ ही बीएलओ ऐप के माध्यम से प्राप्त प्रपत्रों को ऑनलाइन अपलोड करने का कार्य भी तेज गति से जारी है। तद्वि मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जा सके। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार अब तक लगभग 45 प्रतिशत मतदाता प्रपत्र ऑनलाइन अपलोड किए जा चुके हैं। आज 50 प्रतिशत ऑनलाइन अपलोड का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे हर हाल में पूरा करने के लिए सभी कर्मी पूरी मुस्तेदी से कार्य कर रहे हैं। बीडीओ सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज ने सभी संबंधित अधिकारियों, बीएलओ एवं कर्मियों को निर्देश दिया है कि अभियान को समयबद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित तरीके से पूरा किया जाए।

बालूमाथ में कांग्रेस नेताओं ने एसआईआर अभियान का लिया जायजा, बूथों का किया निरीक्षण

नवप्रदेश/बालूमाथ (लातेहार)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत बालूमाथ प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मो. आमिर हयात एवं लातेहार विधानसभा प्रभारी निशांत जायसवाल ने विभिन्न बूथों का दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों नेताओं ने संबंधित बीएलओ एवं कांग्रेस के बीएलए-2 कार्यकर्ताओं से अभियान के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने पर जोर दिया। मो. आमिर हयात एवं निशांत जायसवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं को जागरूक करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और इसमें प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम शामिल होना आवश्यक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान के दौरान पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि मतदाताओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए तथा पुनरीक्षण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर कई स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता एवं बीएलए-2 भी उपस्थित रहे।

हेरहंज में एसआईआर अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवप्रदेश/लातेहार। विधानसभा प्रभारी प्रशांत कुमार के नेतृत्व में हेरहंज प्रखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (र.कफ) अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, त्रुटियों में सुधार कराने, पता परिवर्तन, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा पात्र नागरिकों से समय पर आवश्यक दस्तावेज जमा कर निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की गई। इस अवसर पर हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान, मंडल अध्यक्ष रंजीत गुप्ता, भूषण यादव, बिंदेश्वर यादव, मोहम्मद जमाल, मोहम्मद मिया, नरेश गंजू, समाजसेवी दामोदर तुरी, अरुण कुमार दूरी, खलील खान, बलदेव भोक्ता, शौकत खान, राजेश कुमार, अशोक कुमार, अनलोक, जितेंद्र पासवान सहित कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को एस.आई.आर. अभियान से जोड़ने तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

एसआईआर अभियान को कांग्रेस का सहयोग, बीएलए शकील ने सभाली जिम्मेदारी

नवप्रदेश/महुआडांड (लातेहार)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत महुआडांड प्रखंड की दुरूप पंचायत स्थित बृथ संख्या-249 पर कांग्रेस पंचायत महासचिव एवं बीएलए (बीएलए) शकील अंसारी ने मतदाता पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग किया। अभियान के दौरान शकील अंसारी ने संबंधित बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाताओं को एसआईआर फॉर्म भरने, आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने तथा मतदाता सूची में नाम का सही सत्यापन करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर अभियान की जानकारी भी दी।शकील अंसारी ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कोई भी पात्र मतदाता इस महत्वपूर्ण अभियान से वंचित न रहे और निर्धारित समय के भीतर अपना सत्यापन एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर लें। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता मतदाता पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं और प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सही रूप से दर्ज हो, इसके लिए हरसंभव सहयोग किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने भी अभियान में सहयोग देने का भरोसा जताया।

बरवाडीह थाना दिवस में सुनी गई भूमि विवादों की शिकायतें

- एक मामले का मौके पर हुआ समाधान
- शेष मामलों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

नवप्रदेश/बरवाडीह। बरवाडीह थाना परिसर में मंगलवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें अंचलाधिकारी लवकेश सिंह, एसडीपीओ बि्रेंद्र राम एवं थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने संयुक्त रूप से लोगों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं फरियादी अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचे। थाना दिवस के दौरान मुख्य रूप से जमीन एवं राजस्व से जुड़े पांच



मामले सामने आए। अधिकारियों ने सभी मामलों में दोनों पक्षों की बात गंभीरता से सुनी। सुनवाई के दौरान एक मामले का मौके पर ही आपसी सहमति से समाधान कर दिया गया, जिससे दोनों पक्ष संतुष्ट नजर आए। वहीं शेष चार मामलों के त्वरित एवं निष्पक्ष निष्पादन के

लिए संबंधित राजस्व एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित मामलों का नियमानुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा इस अवसर पर अंचलाधिकारी लवकेश सिंह,

19 को लातेहार में राजद का शक्ति प्रदर्शन, कार्यकर्ता सम्मेलन में गूँजेंगे ओबीसी आरक्षण और जनहित के मुद्दे

नवप्रदेश/लातेहार। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) आगामी 19 जुलाई को लातेहार के टाउन हॉल में भव्य कार्यक्रमता सम्मेलन आयोजित करेगा। सम्मेलन को लेकर जिले की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। पार्टी इसे संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ सामाजिक न्याय, ओबीसी आरक्षण और जनहित के मुद्दों को धार देने का महत्वपूर्ण मंच मान रही है।राजद के जिलाध्यक्ष रामप्रवेश यादव ने प्रेस वार्ता में बताया कि सम्मेलन में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव सहित कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार, बृथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि राजद झारखंड में ओबीसी आरक्षण को शूच्य किए जाने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगी और राज्य में पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने की मांग करेगी। इसके साथ ही खतियानी से जुड़ी युटियों को दूर करने, स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा तथा आम जनता से जुड़े विभिन्न जनहित के सवालों को भी सम्मेलन में



स्थानीय संसाधनों के संरक्षण पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपे नवाचारों और पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय की नोडल पदाधिकारी डॉ. संगीता कुजूर, इचाक पंचायत की मुखिया श्रीमती शशि कुजूर तथा जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती पूनम देवी का भी सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

मेंटर नवल किशोर प्रसाद ने बताया कि सभी के सहयोग, मार्गदर्शन और छात्राओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रासरूट इनोवेशन इंटरनशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने सभी सहयोगियों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को ग्रामीण समाज, पारंपरिक ज्ञान और नवाचारों को समझने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं।



मजबूती से उठाया जाएगा। रामप्रवेश यादव ने कहा कि राजद हमेशा सामाजिक न्याय, समान अधिकार और पिछड़े वर्गों के हितों की लड़ाई लड़ती रही है। कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से संगठन को नई ऊर्जा देने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी, ताकि वे गांव-गांव तक पार्टी की विचारधारा और जनसरोकारों को पहुंचा सकें। पार्टी नेताओं का मानना है कि यह सम्मेलन केवल संगठनात्मक बैठक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का संदेश देने वाला कार्यक्रम होगा। सम्मेलन में

बेतला की सड़कों पर नाबालिगों का खतरनाक स्टंट, वायरल वीडियो ने बढ़ाई चिंता

नवप्रदेश/बरवाडीह। सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस और प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहे हैं, लेकिन बेतला क्षेत्र में इसका अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा है। क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाएं होने के बावजूद नाबालिग बेखोफ होकर सड़कों पर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चलाते हुए स्टंट और खतरनाक कटिंग करते नजर आ रहे हैं। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में कुछ नाबालिग बाइक सवार सड़क पर लापरवाही से स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वे अपनी और राहगीरों की जान जोखिम में डालकर सार्वजनिक सड़क को स्टंट का मैदान बना रहे हैं। इस तरह की हरकतों से क्षेत्र के लोगों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बेतला क्षेत्र में आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद नाबालिगों द्वारा बिना किसी डर के तेज रफ्तार बाइक चलाना और स्टंट करना जारी है। उनका मानना है कि यदि समय रहते इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो कभी भी कोई बड़ा और दर्दनाक हादसा हो सकता है। ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग तथा अभिभावकों से इस गंभीर समस्या को लेकर जिम्मेदारी निभाने की अपील की है। लोगों ने मांग की है कि नाबालिग बाइक चालकों की पहचान कर उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए, यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और अभिभावकों को भी जागरूक किया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

बिना चालान स्टोन डस्ट लदा हाइवा व अवैध बालू से भरा ट्रैक्टर जब्त

खनिज परिवहन जांच अभियान में कार्रवाई, डीएमओ को भेजी गई रिपोर्ट, अवैध परिवहन करने वालों में मचा हड़कंप

नवप्रदेश **प्रतिनिधि**, हरिहरगंज. हरिहरगंज थाना क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को बिना चालान स्टोन डस्ट लदे एक हाइवा ट्रक तथा अवैध बालू से भरे एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया. दोनों वाहनों को हरिहरगंज थाना लाकर अग्रेतर कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ), पलामू को प्रतिवेदन भेज दिया गया है. एसआइ संतोष कुमार ने बताया कि मेदिनीनगर-औरंगाबाद एनएच-139 स्थित कोबाखोह के समीप खान निरीक्षक हरेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में खनिज परिवहन की जांच की



जा रही थी. इसी दौरान हाइवा (बीआर 24 जीए 7817) को रोककर जांच की गयी. जांच में पाया गया कि वाहन में लदा स्टोन

डस्ट बिना किसी वैध चालान के बिहार की ओर ले जाया जा रहा था. इसके बाद वाहन को तत्काल जब्त कर हरिहरगंज थाना लाया



गया तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए डीएमओ को सूचना भेजी गयी. अभियान में चेकपोस्ट प्रभारी रंजीत कुमार सिंह भी शामिल थे.

वहीं, हरिहरगंज थाना क्षेत्र के अररुआ कला में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अवैध बालू परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते

हुए बालू से लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया. थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने बताया कि ट्रैक्टर को थाना लाकर डीएमओ को प्रतिवेदन भेज दिया गया है. डीएमओ के प्रतिवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी. इस अभियान में एसआइ संतोष कुमार पथरा चेकपोस्ट प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह समेत पुलिस बल के जवान शामिल थे. लगातार हो रही कार्रवाई से बिना चालान स्टोन डस्ट, गिट्टी और बालू का परिवहन करने वालों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं खनिज परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

डायन-बिसाही जैसी कुरीतियों से दूर रहने का लिया संकल्प



पुलिस-पब्लिक बैठक में सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, बाल विवाह, नशा मुक्ति व महिला सुरक्षा पर किया गया जागरूक

नवग्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. हरिहरगंज थाना क्षेत्र के सरसोत पंचायत सचिवालय में बुधवार को डायन-बिसाही, बाल विवाह, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध,

नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता को लेकर पुलिस-पब्लिक बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता अंचल अधिकारी मनीष कुमार सिन्हा ने की, जबकि संचालन पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने किया. अंचल अधिकारी मनीष कुमार सिन्हा ने कहा कि डायन-बिसाही जैसी अंधविश्वास आधारित कुप्रथा समाज के लिए अभिशाप है. अफवाह या अंधविश्वास के आधार पर किसी को प्रताड़ित



करना कानूनन अपराध है. उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी सौंदर्य या विवादित मामले की सूचना तत्काल पुलिस व प्रशासन को दें. वही थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने को अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें. नाबालिगों को वाहन न चलाने दें और शराब पीकर वाहन चलाने से बचें. उन्होंने कहा कि

थोड़ी-सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है. पथरा पिकेट प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने कानून का सम्मान करने, सामाजिक सौहार्द बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की. बैठक में पथरा पिकेट प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह, एसआइ संतोष कुमार, मुखिया विनय सिंह, पूर्व मुखिया सुरेश चौधरी सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे.

पुटकी में सीआईएसएफ की छापेमारी, अवैध कोयला लदे 6 वाहन जब्त

नवप्रदेश/लोयाबाद। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुटकी थाना क्षेत्र में अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ की टीम ने फायर पैच माईस स्थित सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग परियोजना क्षेत्र में छापा मारा। इस दौरान टीम ने मौके से अवैध रूप से कोयला लदे 4 मोटरसाइकिल और 2 स्कूटर जब्त किए। साथ ही दर्जनों बोरे में भरा कोयला भी बरामद किया गया।जानकारी के अनुसार सीआईएसएफ को सूचना मिली थी कि कुछ लोग आउटसोर्सिंग परियोजना के खनन क्षेत्र में अवैध प्रवेश कर बोरे में कोयला भरकर बाहर निकाल रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र को घेर लिया। सीआईएसएफ के जवानों को आता देख अवैध कारोबार से जुड़े लोग अपने वाहन छोड़कर अंधरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।जब्त किए गए वाहनों और कोयले को आगे की कार्रवाई के लिए पुटकी थाना को सौंप दिया गया है।इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।वही दूसरी और बीसीसीएल बरौरा एरिया वन क्षेत्र के 4ए पैच के बंद माईस हाई वॉल के पास बीसीसीएल प्रबंधन और सीआईएसएफ टीम ने छापेमारी कर 30टन अवैध कोयला जब्त किया हैं। कोयला को बीसीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया है।सीआईएसएफ अधिकारियों ने कहा कि अवैध खनन और तस्करी पर लगाम लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

बटाने मुख्य नहर दो जगह क्षतिग्रस्त हजारों एकड़ खेती पर संकट, आंदोलन की चेतावनी

46 चैन पर नहर में बड़ा सुराख, 103 चैन पर टूटी पक्की पईन से आहार तक नहीं पहुंच रहा पानी, कई गांवों के किसान परेशान

103 चैन पर टूटी पक्की पईन, आहार तक पानी पहुंचना हुआ बंद.

नवप्रदेश/हरिहरगंज पलामू खरीफ खेती के महत्वपूर्ण समय में हरिहरगंज प्रखंड की बटाने मुख्य नहर दो स्थानों पर क्षतिग्रस्त होने से हजारों किसानों की चिंता बढ़ गयी है. दरियान के समीप 46 चैन पर नहर का किनारा धंसकर बड़ा सुराख बन गया है, जिससे नहर का पानी नीचे की ओर बहकर बर्बाद हो रहा है. वहीं 103 चैन पर फॉल के पास बनी पक्की पईन टूट जाने से आहारों तक पानी पहुंचना पूरी तरह बाधित हो गया है. समय पर मरम्मत नहीं होने से किसानों के खेतों में लगे धान के बिचड़े सूखने



लगे हैं. किसानों के अनुसार 46 चैन पर नहर क्षतिग्रस्त होने से बलौरा, सुल्तानी, खड़गपुर, कटकोम्बा, कोठिला, कुलहिया, सिमरवार, चौखटवा, ढाब, खाप कटैया, गहरीरा, बर्भंडी समेत सीमावर्ती बिहार के कालापहाड़, सिकरिया सहित कई दर्जन गांवों की हजारों एकड़ कृषि भूमि तक सिंचाई का पानी नहीं पहुंच पा रहा है. इससे धान की खेती पर संकट गहरा गया है. इधर, 103 चैन पर फॉल के पास पक्की पईन टूटने के बाद उसका मलबा अब भी नहर में पड़ा हुआ है. इसके कारण धवतर, बर्भंडी, सोनवे और सुल्तानी के आहारों में पानी नहीं पहुंच रहा है. आहारों में जल भंडारण नहीं होने से धवतर, बर्भंडी, सोनवे, तरवन,

तेलियाडीह, सुल्तानी समेत दर्जनों गांवों के खेत सिंचाई से वंचित हैं. लगातार बारिश नहीं होने से स्थिति और गंभीर हो गई है तथा खेतों में लगे धान के बिचड़े सूखने लगे हैं. कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह, अरुण सिंह, अरविंद सिंह, बिनोद सिंह उर्फ गोर्राई सिंह, प्रदीप सिंह, राजेश सिंह, रघुदशाल सिंह, बैजनाथ साव, नीरज सिंह, जगदीश ठाकुर, बैजनाथ सोनी सहित कई किसानों ने बताया कि सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता और पलामू सांसद बीडी राम को इसकी सूचना दी जा चुकी है. इसके बावजूद अब तक केवल औपचारिक निरीक्षण किया गया है और नहर की मरम्मत शुरू नहीं

करायी गयी है. किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि अविलंब दोनों स्थानों पर मरम्मत कार्य शुरू नहीं कराया गया तो वे राष्ट्रीय राजमार्ग-139 को जाम कर आंदोलन करने को बाध्य होंगे. उनका कहना है कि खेती के इस अहम समय में सिंचाई व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा. बताते चलें कि हड़ियाही डैम से निचली बराज के माध्यम से बटाने मुख्य नहर में पानी छोड़ा जाता है. यही नहर क्षेत्र के किसानों की सिंचाई की प्रमुख जीवनरेखा मानी जाती है. ऐसे में नहर के क्षतिग्रस्त होने से पूरे इलाके की खरीफ खेती पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं.

19 जुलाई को गोड्डा में JSSC क्षेत्रीय कार्यकर्ता संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा

17 केंद्रों पर तीन पालियों में होगी परीक्षा

नवप्रदेश/गोड्डा। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2024 का आयोजन 19 जुलाई 2026 को गोड्डा जिले के 17 परीक्षा केंद्रों पर तीन पालियों में किया जाएगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष और कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों एवं संबधित अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) का अवशरश: पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की पारदर्शिता, गोपनीयता और विश्वसनीयता से



किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

तीन पालियों में होगी परीक्षा

○ प्रथम पाली: सुबह 8:30 बजे से 10:30 बजे तक
○ द्वितीय पाली: पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक
○ तृतीय पाली: अपराह्न 3:30 बजे से 5:30 बजे तक

प्रथम एवं द्वितीय पाली के

अभ्यर्थियों को सुबह 7:00 बजे तक रिपोर्ट करना होगा तथा 8:00 बजे के बाद प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। वहीं तीसरी पाली के लिए रिपोर्टिंग समय दोपहर 2:00 बजे और गेट क्लोजिंग 3:00 बजे निर्धारित की गई है।

17 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी जिले में परीक्षा के लिए कुल 17 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच, पहचान सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी, पेयजल, बिजली,

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट पर पूरी तरह प्रतिबंध

पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार

एक नजर

मटकोबेड़ा पंचायत में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

घरेलू हिंसा, दहेज और बाल श्रम पर किया गया जागरूक



नवप्रदेश/पश्चिम सिंहभूम। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 90 दिवसीय विशेष गहन जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत मटकोबेड़ा पंचायत में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक एलएडीसी अधिकारता पूजा चौरसिजा ने लोगों को नालसा (लीगल सर्विसेज टू पर्सनस विद मेंटल इलनेस एंड पर्सनस विद इंटेलेक्चुअल एंड डेवलपमेंटल डिस्पैबिलिटीज) स्कीम, 2024 की जानकारी दी। उन्होंने घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर अधिकार मित्र असीमा चटर्जी ने बाल श्रम और मानव पलायन जैसी गंभीर समस्याओं की रोकथाम के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों एवं सरकारी उपायों की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित करने और पलायन के प्रति सतर्क रहने की अपील की। कार्यक्रम में मटकोबेड़ा पंचायत की मुखिया श्रीमती माधुरी हेमब्रम भी उपस्थित रहीं। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि पंचायत में प्रत्येक माह की 2 तारीख को नशा मुक्ति जागरूकता बैठक आयोजित की जाती है, ताकि समाज को नशे की बुराईयों से मुक्त किया जा सके। कार्यक्रम में अधिकार मित्र अल्कामा रूही, उपासना कुमारी रवि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को विधिक अधिकारों, सामाजिक कुरीतियों से बचाव तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें जागरूक बनाना था।

प्लास्टिक हटाने को लेकर रोटरी क्लब ने किया कार्यशाला आयोजित

रामगढ़। रोटरी क्लब की ओर से सेवा पखवाड़े के तहत आम जनों को जागरूकता करने के लिए बुधवार को प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान रोटेरियन सुरेश पी अग्रवाल, संजीव सिंह संजू एवं कमलेश्वर सिंह ने कहा कि प्लास्टिक का प्रयोग मानव स्वास्थ्य पर खतरा है। साथ ही साथ पर्यावरण पर भी असर पड़ रहा है। देशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगाया गया है। पॉलिथीन का बिल्कुल उपयोग ना किया जाए, इसमें सब की भलाई है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक हटाओ अभियान से ही पृथ्वी के भविष्य को बचाया जा सकता है। अध्यक्ष राजेश कुमार मोदी और सचिव आशीष दास ने संयुक्त बयान में कहा कि पर्यावरण संरक्षण दुनिया के लिए एक ज्वलंत समस्या है। हम सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करें जिससे हमारा पर्यावरण संतुलित रहे। कार्यक्रम में रोटेरियन अमरेश गणक, सुरेश बाँदिया, संजय अग्रवाल मथुरा वाले, विजय अग्रवाल, विजय पोद्दार, संजय शर्मा, राहुल जैन, संजय जैन शामिल थे।

समन्वय बनाकर योजनाओं को उतारें धरातल पर : उपायुक्त

खूंटी। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि और संबद्ध विभागों एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आपसी समन्वय के साथ योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में कृषि, आत्मा, उद्यान, भूमि संरक्षण, सहकारिता, मत्स्य, गव्य विकास, पशुपालन विभाग और जेएसएलपीएस की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रस्ताव तैयार करने और उन्हें धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों और लाभुकों तक पहुंचना चाहिए। साथ ही एफपीओ (कृषक उत्पादक संगठन) और ग्राम संगठनों को सक्रिय कर उनकी भूमिका मजबूत करने पर भी बल दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला पशुपालन पदाधिकारी को लेयर हेन्स (अंडा उत्पादन के लिए मुर्गी पालन) योजना के अंतर्गत फीड और शेड की व्यवस्था जेएसएलपीएस और सहकारिता विभाग के समन्वय से शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया, ताकि लाभुकों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। उपायुक्त ने पूर्व में अवैध अफीम की खेती वाले क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिया।

राखी बनाओ और डाक से भेजो प्रतियोगिता में 500 छात्र लेंगे हिस्सा

रामगढ़। रक्षा बंधन के पावन अवसर पर डाक विभाग की ओर से आयोजित होने वाले राखी बनाओ और डाक से भेजो प्रतियोगिता के लिए बुधवार को रामगढ़ सब डिवीजन मार्केटिंग एजजीक्यूटिव रविशंकर राय और प्रधान डाकघर रामगढ़ केन्ट के पोस्टमास्टर मो जर्सीम खान ने कई विद्यालयों में जाकर प्रचार प्रसार किया। इसी क्रम में वे राम प्रसाद चन्द्रभान सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य प्रवीण से मिले। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने कहा कि आज के डिजिटल युग में डाक विभाग की एक अच्छी पहल है जिसमें बच्चों में उनकी रचनात्मक क्रायकलापों का भी विकास होगा। उन्होंने अपने विद्यालय से 500 बच्चों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने की बात कही। मार्केटिंग एजजीक्यूटिव रविशंकर राय ने कहा कि जिले के सभी स्कूलों में जाकर प्रतियोगिता की जानकारी दी जा रही है। अधिक से अधिक बच्चों को शामिल कराने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक शिक्षक सुनील कुमार, संगीता मिश्रा, निकिता शर्मा, अंजू कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला अनुकंपा समिति की बैठक में

पांच मामलों की समीक्षा

खूंटी। उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह-अनुदान और अनुकंपा आधारित निवृत्ति प्रदान करने के संबंध में बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुल पांच प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान सभी मामलों से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों और अभिलेखों का गहन परीक्षण किया गया, ताकि पात्र आश्रितों को नियमानुसार अनुग्रह-अनुदान और अनुकंपा आधारित निवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

उपायुक्त ने समिति के सदस्यों के साथ सभी प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए पात्र लाभुकों के पक्ष में आवश्यक निर्णय लिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप



जल्द कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामलों का निष्पादन संवेदनशीलता और समयबद्ध तरीके से किया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से

जल्द राहत मिल सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी, प्रभारी पदाधिकारी (गोपनीय शाखा) प्रमोद राम, जिला कोषागार पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी (सामान्य शाखा) कोमल कुमारी, ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता धर्मेन्द्र किशोर सिंह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवल टाटा हॉकी अकादमी के केडेट भारतीय टीम में शामिल

पूर्वी सिंहभूम। नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) के केडेट आशीष तानी पूर्ति का चयन ओमान के मस्कट में आयोजित होने वाली पुरुष यूथ हॉकी 5 एस एशिया क्वैलियरशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। झारखंड से इस टीम में चयनित होने वाले वह एकमात्र खिलाड़ी हैं। इससे पहले आशीष ने जापान के काकामिगाहारा में आयोजित अंडर-18 एशिया कप में भारतीय टीम की स्वर्ण पदक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पंजाब विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान देशभर के 15 खिलाड़ियों में से अंतिम 10 सदस्यीय टीम का चयन किया गया। हॉकी 5 एस के तेज प्रारूप को देखते हुए भारतीय टीम में केवल दो विशेषज्ञ डिफेंडरों को जगह दी गई, जिनमें आशीष तानी पूर्ति भी शामिल हैं।

धनबाद में डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

ईमेल में 1 बजे विस्फोट की चेतावनी, डॉंग स्क्वायड ने ली तलाशी

नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद के मुख्य डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद बुधवार को पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अज्ञात व्यक्ति ने डाकघर प्रशासन को ईमेल भेजकर साइनाइड गैस बम से हमले की बात कही। डाक विभाग को मिले मेल में दोपहर 1 बजे मुख्य डाकघर के साथ-साथ पासपोर्ट कार्यालय को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई थी। मेल भेजने वाले ने लिखा कि किसी के द्वारा किए गए अपमान का बदला लेने के लिए वह यह कदम



उठा रहा है।सूचना मिलते ही डाकघर प्रशासन में खलबली मच

गई। एहतियातन पूरे परिसर को तुरंत खाली कराया गया। अंदर मौजूद कर्मचारियों और डाक संबंधी काम से आए लोगों को सुरक्षित बाहर



निकाला गया।घटना की जानकारी मिलते ही धनबाद पुलिस,जिला प्रशासन के अधिकारी और डॉंग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची। पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर बारीकी से जांच की गई।

पोस्ट मास्टर ने दी जानकारी.....

मुख्य डाकघर के पोस्ट मास्टर राजीव कुमार ने बताया कि धमकी भरा ईमेल सुबह 11 से 11:30 बजे के बीच प्राप्त हुआ था। मामले के गंभीरता को देखते हुए

तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई।कई घंटे चली तलाशी के बाद भी पुलिस को परिसर से कोई संदिग्ध सामान या विस्फोटक नहीं मिला। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। साइबर सेल ईमेल के आईपी एड्रेस और भेजने वाले की पहचान पता करने में जुटी है।उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले धनबाद न्यायालय परिसर को भी ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जो जांच में झूठी निकली थी।

युवा संघर्ष मोर्चा धार्मिक कार्यों में सदेव सहयोग को तत्पर: दिलीप सिंह

नवप्रदेश/सिंदरी। एसीसी स्थित हनुमान मंदिर में बीती रात भव्य जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और देर रात तक भजन-कीर्तन से मंदिर परिसर भक्तिमय रहा। कार्यक्रम में युवा संघर्ष मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष सह समाजसेवी दिलीप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। मंदिर कमिटी के ब्रजेश सिंह, पंकज सिंह, श्रीराम उर्फ विक्रम सहित अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। भाजपा नेत्री तारा देवी का भी इस दौरान सम्मान किया गया।दिलीप सिंह ने कहा कि एसीसी हनुमान मंदिर में हो रहा यह जागरण समाज को शांति और सौहार्द का संदेश देता है। उन्होंने कहा, हनुमान जी की कृपा से पूरे सिंदरी में भाईचारा बना रहे। युवा संघर्ष मोर्चा धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सदैव सहयोग के लिए तैयार है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

बरसात से पहले ही बजबजाई एमओसीपी की नालियां जनता मजदूर संघ ने एनएसटीआई को सौंपा मांगपत्र



नवप्रदेश/अलकडिहा। बरसात की शुरुआत के साथ ही अलकडिहा स्थित एमओसीपी मॉडल कॉलोनी की नालियां बजबजाने लगी हैं।नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है,जिससे कॉलोनी वासियों को भारी परेशानी हो रही है।इस संबंध में जनता मजदूर संघ की उत्तर तिसरा शाखा के सचिव रितेश निपाद ने एनएसटीआई प्रबंधन को मांगपत्र सौंपकर तत्काल सफाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो संघ आंदोलन करेगा। रितेश निपाद ने बताया कि एमओसीपी क्षेत्र-1, 2 और 3 की मुख्य नालियां पूरी तरह जाम हो चुकी हैं। सफाई नहीं होने के कारण नाली का पानी घरों के सामने जमा हो गया है। इससे गंदगी बढ़ रही है और बीमारियां फैलने का डर है।बारिश के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कई स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त भी हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर प्रबंधन को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिलता है। बरसात खत्म होते ही मामले को भुला दिया जाता है। इस दौरान संतोष मिश्रा, उपाध्यक्ष अर्जुन विश्वकर्मा और उपाध्यक्ष रूपलाल बड़ई भी उपस्थित थे।

बाघमारा सीएचसी में आरबीएसके

शिविर: तीन दिन में 900 छात्राओं की हुई स्वास्थ्य जांच



नवप्रदेश/धनबाद। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बाघमारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम द्वारा झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में आयोजित स्वास्थ्य शिविर तीसरे दिन भी जारी रहा। यह शिविर सोमवार से शुरू हुआ है और शनिवार तक चलेगा। शिविर में विद्यालय की छात्राओं का पंजीकरण कर उनकी सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही मलेरिया की एमपी जांच, हीमोग्लोबिन,रक्तचाप,दंत परीक्षण और दृष्टि परीक्षण भी किए गए। किशोर स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर छात्राओं को विशेष रूप से परामर्श दिया गया। आरबीएसके के चिकित्सकों और सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी ने छात्राओं को संतुलित आहार, स्वच्छता,एनीमिया से बचाव और किशोरावस्था में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार शिविर के तीसरे दिन 225 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। अब तक तीन दिनों में कुल 900 छात्राओं की जांच पूरी की जा चुकी है। जांच में चिन्हित छात्राओं को आवश्यक उपचार और परामर्श भी प्रदान किया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के शिविरों का उद्देश्य विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों और किशोरियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच करना,बीमारियों की समय पर पहचान करना और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।

धनबाद में 19 जुलाई को होगी क्षेत्रीय कार्यकर्ता परीक्षा

कदाचार मुक्त परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट, जैमर और सीसीटीवी से होगी निगरानी

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतिযোগिता परीक्षा 2024 का आयोजन जिले में रविवार 19 जुलाई 2026 को किया जाएगा। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर बुधवार को न्यू टाउन हॉल पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप



तीन शिफ्ट में होगी परीक्षा.....

जिले के 78 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 29,952 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा तीन पालियों में ली

जाएगी।पहली पाली सुबह 8:30 से 10:30 बजे, दूसरी पाली 11: 30 से 1:30 बजे और तीसरी पाली दोपहर 3:30 से 5:30 बजे तक निर्धारित है।

सख्त सुरक्षा व्यवस्था.....

उप विकास आयुक्त ने अधिकारियों

को निर्देश दिया कि परीक्षा से 48 घंटे पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।केंद्रों पर पेयजल,बिजली, साइनेज और सीटिंग प्लान की व्यवस्था सुरक्षित की जाए। दंडाधिकारी अपने केंद्र की पूरी जानकारी रखें।सिटी एसपी ने कहा कि तलाशी के दौरान पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। फर्जी

अभ्यर्थियों पर विशेष नजर रखी जाएगी। परीक्षा शुरू होने से पहले केंद्र परिसर, शौचालय एवं अन्य स्थानों की गहन जांच की जाएगी। परीक्षा हॉल में मोबाइल,स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर,डिजिटल डायरी,पेजर और लॉग टेबल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा।सभी केंद्रों में मोबाइल जैमर लगाए जाएंगे और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी।अभ्यर्थियों को केवल काला बॉल पेन ले जाने की अनुमति होगी। बिना एडमिट कार्ड किसी को प्रवेश नहीं मिलेगा।

बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेट तैनात.....

परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 78 स्टैटिक

दंडाधिकारी,43 पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, 9 प्लाइंग स्क्वायड और 105 ऑब्जर्वर की प्रतिनियुक्ति की गई है।साथ ही आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।बैठक में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार,अपर नगर आयुक्त संजीव अनुराग टोपनो,उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा,जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुशांत मुखर्जी सहित सभी बीडीओ और सीओ उपस्थित थे।प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय से पहले केंद्र पहुंचें और परीक्षा संबंधी नियमों का पालन करें।



नवप्रदेश/लोयाबाद। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुटकी थाना क्षेत्र में अवैध कोयला खनन और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को बड़ी कार्रवाई की गई।गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ की टीम ने फायर पेच माइंस स्थित सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग परियोजना क्षेत्र में छापा मारा। इस दौरान टीम ने मौके से अवैध रूप से कोयला लदे 4 मोटरसाइकिल और 2 स्कूटर जब्त किए। साथ ही दर्जनों बोरे में भरा कोयला भी बरामद किया गया।जानकारी के अनुसार सीआईएसएफ को सूचना मिली थी कि कुछ लोग आउटसोर्सिंग परियोजना के खनन क्षेत्र में अवैध प्रवेश कर बोरे में कोयला भरकर बाहर निकाल रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र को घेर लिया। सीआईएसएफ के जवानों को आता देख अवैध कारोबार से जुड़े लोग अपने वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। जब किए गए वाहनों और कोयले को आगे की कार्रवाई के लिए पुटकी थाना को सौंप दिया गया है।इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। सीआईएसएफ अधिकारियों ने कहा कि अवैध खनन और तस्करी पर लगातार लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेगा।

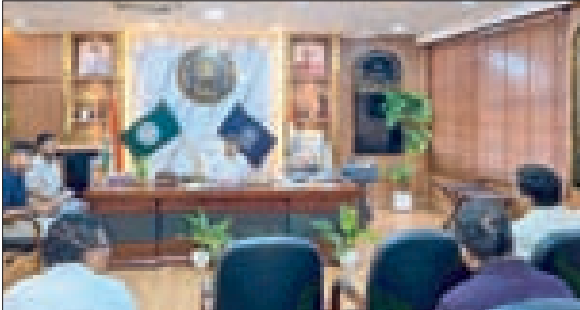


पहले की अड़चनें दूर,अब नई जमीन पर फोकस.....

उपायुक्त ने बताया कि लैंडफिल के लिए पहले कई विकल्पों पर विचार

कलियासोल में जमीन विहित, क्रय प्रक्रिया शुरू

नवप्रदेश/धनबाद। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को नया आयाम देने के लिए धनबाद नगर निगम अब कलियासोल अंचल में करीब 40 एकड़ भूमि पर सेनेटरी लैंडफिल का निर्माण करेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना को मूर्त रूप देने के लिए भूमि क्रय समेत अन्य जरूरी निर्णयों पर विचार को लेकर बुधवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में 'जिला नगर विकास भूमि क्रय समिति' की उच्चस्तरीय बैठक हुई।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि नगर क्षेत्र में प्रतिदिन निकलने वाले ठोस कचरे के वैज्ञानिक निपटारे और पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन के लिए इस लैंडफिल का निर्माण जरूरी है। इससे दीर्घकालिक अपशिष्ट प्रबंधन सुनिश्चित होगा और शहर की स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ होगी।



किया गया था।बीसीसीएल ने खनन कार्य तक के लिए 38 एकड़ जमीन देने की बात कही थी, जो 30 वर्षों की शर्त के कारण उपयुक्त नहीं पाई गई। वहीं एफसीआई से 90 एकड़ जमीन का प्रस्ताव मिला, लेकिन अधिक राशि की मांग के कारण सौदा नहीं हो सका। इसके बाद बलियापुर के रघुनाथपुर में 19.34 एकड़ जमीन निगम को नि:शुल्क हस्तांतरित की गई, पर अपरिहार्य कारणों से वहां काम शुरू नहीं हो सका। वर्तमान में बलियापुर के आमझर में 17.81 एकड़ भूमि पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट का निर्माण कार्य प्रगतिरत है।अब कलियासोल अंचल में 40 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है।इसका सर्वेकल रेट भी उपलब्ध करा दिया गया है और भूमि खरीद के लिए अधिवाचना समर्पित की जा चुकी है।

डीसी व एसएसपी ने झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राजकीय सम्मान के साथ हुए सुपुर्द-ए-खाक

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और धनबाद के पूर्व विधायक मन्नान मल्लिक के निधन पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बुधवार सुबह दिवंगत नेता के हाउसिंग कॉलोनी स्थित आवास पर



पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।इस दुःखद घड़ी में उपायुक्त ने शोक संतप्त



परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से उन्हें इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।पूर्व मंत्री मन्नान

मल्लिक का मंगलवार की सुबह रांची के पल्स अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ शमशेर नगर कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए- खाक किया गया। अंतिम विदाई के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने नम आंखों से अपने जनप्रिय नेता को विदा किया।

एक नजर

जमुआटांड में ढोल-नगाड़ों के साथ 501 कलशों की यात्रा, आज प्राण प्रतिष्ठा और महाभंडारा



नवप्रदेश/बाघमारा। जमुआटांड मिश्रा टोला स्थित नव निर्मित बजरंग बली मंदिर की दो दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान यज्ञ को लेकर बुधवार को भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। ढोल-नगाड़ों और जय श्री राम के जयकारों के बीच निकली इस यात्रा में केसरिया वस्त्र धारण की 501 महिलाएं एवं कुंवारी कन्याएं सिर पर मंगल कलश लेकर शामिल हुईं।कार्यक्रम के मुख्य आचार्य बनारस से पधारे आचार्य अनिल पांडेय रहे।उनके साथ बांके बिहारी पांडेय,रूपेश पांडेय,विपुल पांडेय एवं सरोज पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना कराई। मुख्य यजमान के रूप में राजेश मिश्रा सह पत्नी पुतूल मिश्रा,सौरभ मिश्रा सह पत्नी प्रिया मिश्रा तथा राजा महादानी सह पत्नी विस्टी महादानी बैठे थे।कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर डुमरा राजा चौक होते हुए मुराईडीह खोदोनदी पहुंची।वहां वैदिक मंत्रों के साथ 501 कलशों में जल भरकर पुनः मंदिर परिसर लाया गया।पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।मंदिर समिति की ओर से यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिए शरबत की व्यवस्था की गई थी।इस अवसर पर मुखिया विनोद महतो, धनेश्वर रजवार,नरेश रजवार,रिंकु कुमार रबानी,शिवनन्दन ठाकुर, विजय कलांडी,शीतल मिश्रा, श्रीकांत मिश्रा,अक्षय मिश्रा,अमित मिश्रा,भोला मिश्रा,सुमित मिश्रा, गौरव मिश्रा,सुरेश महतो,नरेश महतो,पप्पू रजवार सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।आयोजन समिति ने बताया कि अनुष्ठान का समापन गुरुवार को प्राण प्रतिष्ठा,सुंदरकांड पाठ एवं हवन के साथ होगा। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

धनबाद कोयलांचल के मजदूरों के लिए अपूरणीय क्षति: अर्जुन पासवान

नवप्रदेश/लोयाबाद। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मन्नान मल्लिक के निधन पर जिला कांग्रेस कमिटी ई लेबर सेल ने गहरा शोक व्यक्त किया है। लेबर सेल के महामंत्री अर्जुन पासवान ने इसे धनबाद कोयलांचल के मजदूर वर्ग और कांग्रेस संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।श्री पासवान ने कहा कि मन्नान मल्लिक ने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री अब्दुल गफूर के निजी सचिव के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। इसके बाद वे लंबे समय तक धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रहे। वर्ष 2009 में वे धनबाद विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए।झामुमो नेतृत्व वाली हेमंत सरकार में उन्हें पद्मपालन, मर्त्य पालन एवं आपदा प्रबंधन विभाग का मंत्री बनाया गया था।वे राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ और राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे।अर्जुन पासवान ने कहा कि मन्नान मल्लिक का पूरा जीवन श्रमिकों के हितों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने मजदूरों के उत्थान के लिए कई नए आयाम स्थापित किए।इनके निधन से कोयलांचल के मजदूरों को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोककुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। वहीं बीसीसीएल बरारा एरिया वन क्षेत्र के 4ए पैच के बंद माइंस हाई वॉल के पास बीसीसीएल प्रबंधन और सीआईएसएफ टीम में छापमारी कर 30टन अवैध कोयला जब्त किया हैं. कोयला को बीसीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया हैं. सीआईएसएफ ने कहा की हर हाल में कोयला चोरी पर अंकुश लेगेगी.

निरसा में एलिवेटेड रोड पर सियासत गर्म भाजपा-माले ने दिखाया शक्ति प्रदर्शन



धनबाद। निरसा में प्रस्तावित एलिवेटेड कॉलेडोर को लेकर बुधवार को सियासी माहौल पूरी तरह गर्म रहा।विकास बसाम अनियमितता के मुद्दे पर भाजपा और भाकपा-माले ने अलग-अलग रास्तों से सड़क पर उतरकर अपनी ताकत का इजहार किया। दिनभर चले दोनों दलों के कार्यक्रमों की वजह से पूरे क्षेत्र में सुशांा के कई ईंतजाम किए गए। भाजपा की ओर से सांसद दुल्लू महतो समर्थकों के साथ निरसा कोटा से हाथबाड़ी तक पदयात्रा पर निकले।यात्रा के समापन पर आयोजित सभा में उन्होंने एलिवेटेड रोड को क्षेत्र की तरक्की के लिए अनिवार्य बताया। उन्होंने सीधे राज्य सरकार और स्थानीय विधायक पर हमला बोलते हुए कहा कि जानबूझकर विकास कार्यों को रोका जा रहा है और लोगों को भ्रमित करने की कोशिश हो रही है। दूसरी तरफ भाकपा-माले विधायक अरूप चटर्जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने निरसा कार्यालय से देवियाना मोड़ तक मार्च किया। जनसभा को संबोधित करते हुए चटर्जी ने परियोजना में गड़बड़ियों का आरोप लगाया। उनका कहना था कि जनता के हितों के साथ कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस ठेके में भाजपा से जुड़े लोगों का नाम जुड़ा है और निर्माण में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही।उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद बाघमारा के बाद अब निरसा में भी अपना दबदबा कायम करने की कोशिश में हैं। दोनों दलों की सभाएं लगभग एक ही समय पर और एक-दूसरे से करीब 500 मीटर की दूरी पर हुईं। संभावित टकराव को देखते हुए प्रशासन पहले से सतर्क था।सर्वेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल लगाया गया और अधिकारियों ने पल-पल की निगरानी की। राहत की बात रही कि दोनों कार्यक्रम बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हो गए। कार्यक्रम के लिए अनुमति न मिलने के सवाल पर विधायक चटर्जी ने कहा कि प्रशासन को पहले ही सूचना दे दी गई थी।वहीं सांसद महतो ने पलटवार करते हुए कहा कि बिना इजाजत आंदोलन कर सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है।उन्होंने प्रशासन से मामले में कार्रवाई की मांग भी की और माले पर तीखा हमला बोला। फिलहाल एलिवेटेड रोड का मसला अब सिर्फ सड़क-निर्माण तक सीमित नहीं रहा। यह निरसा की राजनीति का नया केंद्र बन गया है। बुधवार के शक्ति प्रदर्शन के बाद साफ है कि आने वाले समय में इस मुद्दे पर सियासी घमासान और तेज होने वाला है।

डीएवी महिला कॉलेज में शासी निकाय की बैठक बकाया भुगतान और चारदीवारी का निर्णय

कतरास। डीएवी महिला महाविद्यालय कतरास में बुधवार को शासी निकाय की बैठक हुई। बैठक में महाविद्यालय के बकाया भुगतान को जल्द करने पर सहमति बनी। साथ ही कॉलेज के विकास के तहत फुलतार स्थित 5 एकड़ जमीन को चारदीवारी कराने का निर्णय लिया गया। यह कार्य डीएमएफटी फंड से होगा। इसके लिए जल्द ही उपायुक्त को आवेदन सौंपा जाएगा। बैठक में पीके राय कॉलेज के एचओडी डॉ. मंतोष कुमार पांडेय को महाविद्यालय का नया सचिव चुना गया। शासी निकाय के अध्यक्ष गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कॉलेज के विकास में पूरा सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में एएसडीओ लोकेश वारी, प्राचार्य सुष्मा राणी चतुर्वेदी, एरिया-4 के प्रतिनिधि, प्रेमनाथ सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

कोडरमा के कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में ही रखने की मांग विधायक डॉ. नीरा यादव ने विभिन्न मामलों को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर कोडरमा जिले के सभी महाविद्यालयों को पूर्ववत विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से संबद्ध बनाए रखने की मांग संबंधी ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया है ताकि कोडरमा जिले के छात्र-छात्राओं को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने बुधवार को बताया कि पहले भी इस बाबत ज्ञापन दिया गया था। पुनः मंगलवार को रांची में मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन में विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा है कि वर्ष 1992 से पूर्व कोडरमा जिले के सभी अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालय रांची विश्वविद्यालय से संचालित होते थे। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग की स्थापना की गई,



जिसके बाद से जिले के सभी महाविद्यालय इसी विश्वविद्यालय से संचालित हो रहे हैं। कोडरमा से हजारीबाग की दूरी लगभग 58 किलोमीटर है, जिससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में काफी सहूलियत मिली है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कोडरमा जिले के महाविद्यालयों को नवस्थापित सर

जैसी बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध करने की प्रक्रिया चल रही है। जबकि कोडरमा से गिरिडीह की दूरी लगभग 120 से 125 किलोमीटर है। ऐसे में विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय और आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा। डॉ. नीरा यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में चौथे वर्ष विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययन और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में भागीदारी आवश्यक है। विश्वविद्यालय की दूरी अधिक होने की स्थिति में विशेषकर ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है तथा ड्रॉपआउट की

संभावना बढ़ सकती है। विधायक ने मुख्यमंत्री से अप्रार्ह किया कि छात्रहित को ध्यान में रखते हुए कोडरमा जिले के सभी महाविद्यालयों को पूर्ववत विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के अधीन ही रखा जाए। इस संबंध में उन्होंने रांची में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य

मरकच्चो: बांसडीह के समीप हुई सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

नव प्रदेश संवाददाता

मरकच्चो। थाना क्षेत्र अंतर्गत बरियाडीह - तेतरोन मुख्यमार्ग बांसडीह कारी पहाडी के समीप बुधवार को भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीपुर पंचायत के ग्राम लालुडीह निवासी अफसर अली 25 वर्ष, पिता जुमन अंसारी होण्डा साइन बाइक संख्या जे एच 12 एफ 4230 से अपने घर से जयनगर थाना क्षेत्र के गांव गरचांच ससुराल जा रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे होण्डा साइन नम्बर जे एच 12 ई 3827 बाइक से उक्त मार्ग पर ही उसकी जोरदार टक्कर



हो गई। बताया जाता है कि दोनों बाइक की जोरदार टक्कर में दोनों बाइक चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। और इस दौरान उक्त दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना सुनकर आस. पड़ोस के लोग घटना स्थल पर पहुंचे और गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों द्वारा आनन-फ़ानन में दोनों युवक को ईलाज के लिए कोडरमा सदर अस्पताल

गया। वहीं मरकच्चो थाना प्रभारी बमबम कुमार ने उक्त घटना से संबंधित बताया की सुचना मीलते ही घटना स्थल पर पुलिस पहुंची जहां पुलिस के पहुंचने से पहले परिजन पहुंचे और दोनों क्षतिग्रस्त बाइक को ले गए और दोनों घायलों को अपने निजी वाहन से सदर अस्पताल ले गए। जहां रास्ते में ही अफसर अली की मौत हो गई।धुधर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाते के पश्चात घटना के कारणों का पता लगाने में पुलिस जुट गई है। वहीं इस अचानक घटना की खबर पुरे क्षेत्र में जंगल में लगे अगर तरह फैल गई। और पुरे क्षेत्र गमगीन वअफसोस का माहौल हो गया। वहीं इस दर्दनाक घटना से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मनान मल्लिक के निधन से कोयलांचल के मजदूरों ने अपना एक मसीहा खो दिया : निसार खान



नवप्रदेश/हजारीबाग : जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी निसार खान ने झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री कांग्रेस के सच्चे सिपाही तथा मजदूरों के नेता मनान मल्लिक के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। खान ने अपने शोक संदेश में कहा कि मनान मल्लिक के निधन से कोयलांचल के मजदूरों ने अपना एक मसीहा खो दिया है। खान ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक की शुरुआत बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल गफ्फर के निजी सचिव के रूप में की थी। धनबाद जिला कांग्रेस के वे अध्यक्ष रहे और 2009 में धनबाद विधानसभा से विधायक चुने गए। इसके बाद वे हेमंत सोरेन सरकार में पशुपालन, मत्स्य पालन और आबदा प्रबंधन मंत्री के रूप में काम किया। राजनीति के अतिरिक्त वह राष्ट्रीय कोलयरी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष थे और कोयलांचल श्रमिक अधिकारी व मजदूर आंदोलन के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से कांग्रेस की बड़ी क्षति हुई है जिसकी पूर्ति तत्काल संभव नहीं है।

मुकेश गोस्वामी अध्यक्ष उपाध्यक्ष बने विनय कुमार झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की डोमचांच प्रखंड इकाई का विस्तार

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मजबूती और विस्तार को लेकर बुधवार को डोमचांच प्रखंड के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। कोडरमा जिला इकाई के सदस्य सह डोमचांच प्रखंड प्रभारी सुधीर कुमार पांडेय की अध्यक्षता में बैठक आयोजित किया गया.बैठक में सर्वसम्मति से डोमचांच प्रखंड इकाई की नई कमेटी का गठन और पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन के प्रति समर्पित पत्रकारों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई जिसमें अध्यक्ष मुकेश कुमार गोस्वामी, उपाध्यक्ष विनय कुमार



दास, सचिव रंजन कुमार सिंह, सह सचिव दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष रतन कुमार साव, कार्यकारिणी सदस्य महादेव दास, राजेश प्रसाद यादव राजेश कुमार मेहता, निरंजन दास व

अन्य को रखा गया. कोडरमा जिला इकाई कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सभी जम्मेदारियां सौंप पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और

बधाई दी। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संगठन में रहकर संगठन के प्रति सकरात्मक सोच रखना बेहद जरूरी है। पत्रकार साथियों के सुख दु:ख की घड़ी में हमेशा उनके साथ खड़ा रहना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए संगठन ही सर्वोपरि है। संघे शक्ति, संघ में बड़ा शक्ति है बैठक के दौरान आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई मौके पर बैठक में जिला इकाई कमेटी के महासचिव अनिल सिंह, प्रेम भारद्वाज, नितिन कुमार, रवि खबड़ा, विनय बरनवाल और रामकृष्ण मेहता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

योगासन में ग़िजली का दमदार प्रदर्शन: लव कुमार शर्मा ने जीता स्वर्ण व रजत पदक

नव प्रदेश संवाददाता

तिलैया डैम (कोडरमा)। नेतरहाट आवासीय विद्यालय, लातेहार में आयोजित 7वीं झारखंड राज्य योगासन खेल संघ चैंपियनशिप 2026. 27 में ग़िजली विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और कोडरमा जिले का नाम रोशन किया। सब. जूनियर वर्ग (10झा14 वर्ष) में विद्यालय के आठ खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें छह बालक और दो बालिकाएं शामिल थीं। प्रतियोगिता में ग़िजली विद्यालय के छात्र लव कुमार शर्मा ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ऑर्दिस्टिक सिंगल योगासन में स्वर्ण पदक तथा ट्रिडेशनल योगासन में रजत पदक



जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन आगामी राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता के लिए भी हुआ है। विद्यालय ने कुल दो स्पर्धाओं में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस उपलब्धि पर विद्यालय के सौईओ प्रकाश गुप्ता, प्राचाया अंजना कुमारी सहित निदेशक मंडल, प्रशासनिक अधिकारियों एवं शिक्षकों ने लव कुमार शर्मा, योग प्रशिक्षक उमेश कुमार विश्वकर्मा तथा उनके अभिभावकों को बधाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय स्तर पर भी खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर ग़िजली विद्यालय, कोडरमा और झारखंड का नाम पूरे देश में गौरवान्वित करेंगे।

एक नजर
बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण से ही बनेगा विकसित समाज: डॉ. लक्ष्मी सरकार नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के बैनर तले बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी मो. सेराज ने किया। कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुओं ने फरेंदा, छोटकीबागी, बड़कीबागी, मरियमपुर सहित आसपास के गांवों का भ्रमण कर लोगों को बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि बेटियों को समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना समाज और राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है। महाविद्यालय की प्राचाय डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओर केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का जनआंदोलन है। जब बेटियां शिक्षित और आत्मनिर्भर बनेंगी, तभी परिवार, समाज और देश सशक्त होगा। उन्होंने सभी से बेटियों के प्रति भेदभाव समाप्त कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं ने लोगों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बालिकाओं की नियमित शिक्षा सुनिश्चित करने तथा उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देने का संदेश दिया। अंत में सभी ने बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। मौके पर सहायक प्राध्यापकगण शिक्षकेतर कर्मचारीगण प्रशिक्षु रानी, निक्की, सुमन, पूरम, स्नेहा आदि मौजूद रहे। थानेदार अगर आपकी शिकायत नहीं सुन रहे, तो सीधे मेरे पास आइये; जन शिकायत के बाद बोले- रांची एसएसपी नवप्रदेश/रांची। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने रांची जिला वासियों के लिए एक नई पहल प्रारंभ की है जिसमें उन्होंने कहा है कि रांची जिला के किसी भी थाना में थाना प्रभारी के द्वारा जन शिकायत या समस्या को नहीं सुनने की स्थिति और सकारात्मक पहल नहीं करने पर सीधे उनसे मिले वरीय पुलिस अधीक्षक श्री रंजन के इस पहल की जिला वासियों ने हृदय से स्वागत किया है और कहा है कि वरीय पुलिस अधीक्षक का पहला निश्चित तौर पर प्रशंसनीय और बेहतर तथा उत्कृष्ट कार्य है रथयात्रा की तैयारी पूरी, आज भगवान जगन्नाथ बलभद्र व सुभद्रा दैंगे भक्तों को आशीर्वाद, 50 हजार श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना नौ घंटे तक जीटी रोड रहगा वन-लेन, प्रशासन ने किया फ्लैग मार्च नवप्रदेश/चौपारणा। चौपारण में आयोजित होने वाले श्री जगन्नाथ रथयात्रा महा महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार को आस्था का महासंगम चौपारण में देखने को मिलेगा, जहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा रथ पर विराजमान होकर नगरवासियों को दर्शन एवं आशीर्वाद देंगे। आयोजन समिति के अनुसार इस वर्ष करीब चालीस से पचास हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। रथयात्रा को लेकर नेतृत्व में यह टोली भगवान जगन्नाथ की पुजा-अर्चना के साथ पूरे रथयात्रा मार्ग में हरे राम-हरे कृष्ण संकीर्तन करेगी। दस गजाधर प्रभु ने कंप्यूटर इंजीनियर के रूप में करियर शुरू किया था, लेकिन बाद में पुणे में इस्कांन से जुड़कर स्वयं को कर्म प्रचार और वैदिक शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उनके मार्गदर्शन में देशभर में लगभग 20 वैदिक गुरुकुलों की स्थापना की गई है, जिनमें मुरी-खुटाम का गुरुकुल भी शामिल है। बैठक में आयोजन समिति के अध्यक्ष हरिंद्र सिंह, सचिव राजदेव यादव, संयोजक अभिषेक सिंह, उपाध्यक्ष संजय सिंह, संरक्षक मुखिया विनोद सिंह, उपसचिव सुमन सिंह, कोषाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता, उपसचिव सुमन सिंह, कोषाध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता, इंदीवर सिंह, संरक्षक रामचंद्र सिंह, प्रताप सिंह, ज़िप सदस्य राकेश रंजन, मुखिया संघ अध्यक्ष वीरेंद्र रजक, मुखिया गौंदरी दांगी, विकास यादव, मोड़ होते हुए मयूहंड मार्ग से भेजा जाएगा। वहीं इटखोरी की ओर से आने वाले भारी वाहनों का परिचालन सुबह 9 बजे से दिलीप राणा, अरविंद सिन्हा, प्रदीप शाम 5 बजे तक नियंत्रित रहेगा। केशरी, बलराम दांगी, पवन सिंह, रवींद्र डीएसपी राधा प्रेम किशोर ने यादव, सुबोध यादव सहित समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जन्मप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। रथ के आगे-पीछे सावरन युक्त दस मोटरसाइकिल दस्ता लगातार सुरक्षा व्यवस्था सभालेगा। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि रथयात्रा के कारण गुरुवार को चौपारण का साप्ताहिक हाट बंद रहेगा। चौपारण में वर्षों से दो प्रमुख रथयात्राओं का आयोजन होता है। एक केसरवानी समाज की पारंपरिक रथयात्रा, जो लगभग पांच दशक से पूरे बाजार का भ्रमण करती आ रही है। दूसरी श्री जगन्नाथ रथयात्रा महा महोत्सव, जो सिस्वरकोनी से निकलती है और इस वर्ष अपने चौथे संस्करण में आयोजित हो रही है। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। आयोजन समिति की बैठक में महाप्रसाद वितरण, रथ संचालन, सुरक्षा, यातायात, स्वयंसेवकों की तैनाती एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। समिति ने बताया कि 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद वितरित किया जाएगा, जबकि रथयात्रा मार्ग में 10 हजार पैकेट बूंदी प्रसाद भी वितरित किए जाएंगे।

बछई पंचायत में विकास कार्यों की रफ्तार तेज हर क्षेत्र में हो रहा समग्र विकास : बिरेंद्र रजक

नवप्रदेश/चौपारणा। प्रखंड के मुखिया संघ अध्यक्ष सह बछई पंचायत के लोकप्रिय मुखिया बिरेंद्र रजक ने पंचायत में चल रहे विकास कार्यों को लेकर विशेष चर्चा करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता पंचायत के प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि पंचायत में सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल रहा है। बिरेंद्र रजक ने कहा कि पंचायत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं का पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन किया जा रहा है। ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कई गांवों में पीसीसी सड़क, नाली निर्माण, पेयजल व्यवस्था, सामुदायिक भवन एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही पात्र लाभकों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य भी लगातार जारी है। मुखिया संघ अध्यक्ष ने कहा कि पंचायत का विकास तभी संभव है जब जन्मप्रतिनिधि और ग्रामीण मिलकर कार्य करें। उन्होंने पंचायतवासियों से विकास कार्यों में सहयोग करने और योजनाओं की निगरानी में भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में बछई पंचायत विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। पंचायत में चल रहे कार्यों से लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा तथा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का और विस्तार होगा। ग्रामीणों ने भी पंचायत में हो रहे विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में विकास की यह गति लगातार बनी रहेगी।



संक्षिप्त खबरे

पुणे के मोशी बिल्डिंग हादसे में दो अधिकारी निलंबित मुंबई। पुणे जिले के मोशी बिल्डिंग हादसा मामले में पिंपरी -चिंचवड़ नगर निगम के आयुक्त ने बुधवार को दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित अधिकारियों में एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट के हेड संजय कुलकर्णी और एमजीक्यूटिव इंजीनियर योगेश अलहट हैं। यह कार्रवाई मोशी इलाके में ८ जुलाई को एंथनी लारा रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी की बिल्डिंग गिरने से ९ कर्मचारियों की मौत मामले में की गई है। इस घटना की सघन छानबीन पुलिस के साथ नगर विकास विभाग की टीम उच्च स्तरीय जांच कर रही है।

सूरत में पासपोर्ट ऑफिस और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

सूरत। गुजरात के सूरत में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पासपोर्ट ऑफिस और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस, बम स्व्वाड तथा डॉंग स्व्वाड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार सूरत के उमरा क्षेत्र स्थित पासपोर्ट ऑफिस और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिला है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित परिसरों और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की। तलाशी अभियान के दौरान फिलहाल किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

केंद्र ने ओडिशा व झारखंड में रेलवे की दो मल्टीट्रेकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ओडिशा और झारखंड में रेल मंत्रालय की 3,907 करोड़ रुपये की लागत वाली दो मल्टीट्रेकिंग परियोजनाओं को बुधवार को मंजूरी दी। ओडिशा और झारखंड के चार जिलों में प्रस्तावित इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क में करीब 145 किलोमीटर की वृद्धि होगी तथा इन्हें वर्ष 2030-31 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में इस परियोजना पर मुहर लगाई गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने पारादीप-हरिद्वारपुर रेलखंड के दोहरीकरण तथा राजखरसावां-डोंगोआपोसी रेलखंड पर चौथी लाइन बिछाने की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं से लाइन क्षमता बढ़ेगी, जिससे रेल परिचालन अधिक कुशल और विश्वसनीय बनेगा तथा यातायात का दबाव कम होगा।

इस्तीफा नहीं, जिम्मेदारी निभा रहा हूं, बीकेटीसी कोई फ्रॉचाइजी नहीं : हेमंत द्विवेदी

देहरादून। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से जुड़े कथित अनियमितता प्रकरण को लेकर अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बुधवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल पर मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोषी कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने गोदियाल को तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर सार्वजनिक बहस के एक बार फिर चुनौती दी है। यह बातें बुधवार को बीकेटीसी कार्यालय में आयोजित प्रकरार वार्ता को हेमंत द्विवेदी ने संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मामला सामने आते ही संबंधित कर्मचारी को निलंबित किया गया,प्राथमिकी दर्ज कराई गई और सरकार ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और विभागीय स्तर पर अलग-अलग जांच चल रही है और दोनों पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले सेतु मिश्रा का स्वागत

पटना। चीन में आयोजित एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण और रजत पदक जीतकर बिहार एवं देश का गौरव बढ़ाने वाले मोतिहार के युवा एथलेट सेतु मिश्रा का मंगलवार को पटना लौटने पर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों, खेल अधिकारियों और परिजनों ने फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र से उनका अभिनंदन कर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व जताया। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण स्वयं पटना एयरपोर्ट पहुंचे और सेतु मिश्रा का फूल-माला एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर बिहार एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव लयाकत अली, खेल प्राधिकरण के अधिकारी मोहम्मद हारुन, सेतु मिश्रा की माता, बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी और परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। इस दौरान बिहार के प्रतिभाशाली राष्ट्रीय स्तर के धावक विभास्कर कुमार का भी सम्मान किया गया। रवीन्द्रण शंकरण ने उन्हें भी अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर उनके खेल योगदान की सराहना की तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि चीन में आयोजित एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सेतु मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को 4400 मीटर मिस्स्ट रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने 4400 मीटर पुरुष रिले स्पर्धा में रजत पदक जीतकर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल भारत का तिरंगा अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया, बल्कि बिहार का नाम भी पूरे देश में गौरवान्वित हुआ। इस मौके पर रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि सेतु मिश्रा की उपलब्धि बिहार के खेल इतिहास में एक नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि सेतु एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाले बिहार के पहले एथलीट बन गए हैं।

नेपाल में प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही दो सप्ताह के लिए स्थगित

काठमांडू। नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गयी है। प्रतिनिधि सभा कार्यव्यवस्था परामर्श समिति की बैठक में सहमति बनी कि अगली बैठक अगस्त महीने के प्रथम सप्ताह में बुलाई जाएगी। समिति के एक सदस्य ने बताया कि सदन की अगली बैठक एक अगस्त को आहूत करने पर चर्चा हुई है। हालांकि इसकी औपचारिक घोषणा बाद में की जाएगी। प्रतिनिधि सभा की परंपरा के अनुसार प्रत्येक बैठक के अंत में स्पीकर अगली बैठक की तिथि और समय की घोषणा करते हैं।

विधानमंडल लोकतंत्र की पाठशाला, जहां मिलता है सहमति और सेवा के मूल्यों का संस्कार : लोकसभा अध्यक्ष

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विधानसभा पूरे प्रदेश की कठिनाइयों जानने का प्रत्यक्ष और सबसे सशक्त माध्यम है। यहां से आम जनजीवन की समस्याओं के बारे में जानकारी हम समाधान की राह प्रशस्त कर सकते हैं।

बिरला बुधवार को राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित अमृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा विधायकों से आह्वान करते हुए कहा कि सदन के वेल में आकर हंगामा करने से कोई बड़ा नेता नहीं बनता, सदन में दिए गए सार्थक भाषण और तर्कपूर्ण बहस ही जनप्रतिनिधित्व का वास्तविक पहचान बनते हैं।

राजस्थान विधानसभा लोकतांत्रिक संस्कारों, संवाद और सहमति की सबसे बड़ी पाठशाला रही है। विधायक जितना अधिक अध्ययन करेंगे, सुनेंगे और विषयों की गहराई समझेंगे, उतना ही प्रभावी ढंग से जनता की आवाज सदन में उठा सकेंगे। सदन में दिए गए भाषण वर्षों तक पढ़े और याद किए जाते हैं इसलिए जनप्रतिनिधियों को मर्यादित और तथ्यपरक बहस की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की सकारात्मक आलोचना लोकतंत्र को मजबूत करती है और विधानसभा जनता की समस्याओं को उठाने का सबसे प्रभावी मंच है। सवाल जितने सार्थक होंगे, शासन उतना ही जवाबदेह बनेगा। उन्होंने

रथयात्रा से पहले पुरी श्रीमंदिर में अंतिम धार्मिक अनुष्ठान संपन्न, सिंहद्वार तक पहुंचे तीनों रथ

विश्व प्रसिद्ध पुरी रथयात्रा आज

भुवनेश्वर। विश्वप्रसिद्ध श्रीजगन्नाथ रथयात्रा से एक दिन पूर्व बुधवार को पुरी श्रीमंदिर में अंतिम चरण के पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। मंगलवार को नवयौवन दर्शन के बाद 'उभा यात्रा' की महत्वपूर्ण नीति के तहत तीनों रथों को रथखला से श्रीमंदिर के सिंहद्वार तक लाया गया। मंदिर परंपरा के अनुसार, प्रातःकाल महाप्रभु श्रीजगन्नाथ, महाप्रभु बलभद्र, देवी सुभद्रा और श्रीसुदर्शन की नियमित नीतियां संपन्न होंगी। इसके बाद गोपाल बल्लभ एवं सकाल धूप की नीतियों का संपादन



किया गया। इसके उपरांत सेवावत पारंपरिक शोभायात्रा के माध्यम से महाप्रभु की ओर से 'आज्ञामाला' (देवीय अनुमति की माला) तीनों रथों तक लेकर आये। इस अनुष्ठान को आज्ञामाला बीजे कहा जाता है और इसे रथयात्रा के शुभारंभ की औपचारिक अनुमति माना जाता है। आज्ञामाला बीजे के बाद तीनों रथों को रथ खला (जहां रथ तैयार हो रहा था) से खींचकर श्रीजगन्नाथ मंदिर के सिंहद्वार के सम्मक्ष लाया गया। मंदिर की परंपरा के अनुसार, सबसे पहले भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष रथ को, उसके बाद देवी सुभद्रा के दर्पदलन रथ को

तथा अंत में भगवान बलभद्र के तालध्वज रथ को सिंहद्वार तक लाया गया। रात्रि में भी कुछ महत्वपूर्ण धार्मिक नीतियां संपन्न हुआ। इन पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ ही गुरुवार को आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा के लिए सभी धार्मिक तैयारियां पूर्ण हो जाएंगी। गुरुवार को महाप्रभु श्रीजगन्नाथ, महाप्रभु बलभद्र और देवी सुभद्रा भव्य पाहंडी बीजे के माध्यम से श्रीमंदिर से बाहर आकर अपने-अपने रथों पर विराजमान होंगे और लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में गुंडिचा मंदिर की वार्षिक यात्रा पर प्रस्थान करेंगे।

मदन मित्रा ने भी छोड़ा ममता का साथ

आचार्य सुश्रुत के मार्ग पर चलकर चिकित्सा नैतिकता और रोगियों के प्रति करुणा बनाए रखें: राष्ट्रपति



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को कहा कि आयुर्वेद का भविष्य युवा विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के हाथों में है। राष्ट्रपति ने उनसे आचार्य सुश्रुत के दिखाए मार्ग पर चलते हुए चिकित्सा नैतिकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रोगियों के प्रति करुणामय सेवा के संकल्प पर सदैव अडिग रहने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने सुश्रुत जयंती के अवसर पर यहां अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी सौश्रुतीम 2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के नए एमआरआई सेक्शन का भी उद्घाटन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने शल्य चिकित्सा के जनक माने जाने वाले आचार्य सुश्रुत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सदियों पहले उन्होंने शल्य चिकित्सा पद्धति का सूत्रपात कर अपने समय में क्रांतिकारी परिवर्तन की नींव रखी थी। उन्होंने कहा कि आचार्य सुश्रुत अनेक जटिल एवं नवाचारी शल्य प्रक्रियाओं के प्रवर्तक थे। उन्होंने प्लैस्टिक सर्जरी, मोतिवायिंद की शल्य चिकित्सा, ट्यूमर के उपचार तथा हृन्पट्टी सर्जरी जैसे क्षेत्रों में नई तकनीकों का विकास किया। उनकी रचना सुश्रुत संहिता ने भारत ही नहीं, पूरे विश्व को चिकित्सा विज्ञान की नई दिशा प्रदान की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय परंपरा में निहित मानव कल्याणकारी ज्ञान

को समय की आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाना समाज के हित में है। आयुर्वेद की समग्र जीवन दृष्टि मानवता के लिए अमूल्य धरोहर है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि यह प्राचीन ज्ञान आधुनिक समय में भी प्रासंगिक और प्रभावी बना रहे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने आयुर्वेद और योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। सरकार प्राचीन आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक मानकों पर प्रामाणित करने के लिए भी निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मानकीकृत दस्तावेजीकरण, डिजिटल हेल्थ के एकीकरण और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान तकनीकों के प्रभावी उपयोग से आयुर्वेद की वैश्विक स्वीकार्यता और अधिक मजबूत होगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में होने वाले विचार-विमर्श से नए ज्ञान का सुजन होगा और आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा को आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान और वैश्विक साझेदारी के माध्यम से विश्व स्तर पर और अधिक स्वीकार्यता दिलाई जा सकती है। राष्ट्रपति ने युवा विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं से जिज्ञासा, सत्यनिष्ठा तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुसंधान और उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक साक्ष्य विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यक हो, वहां नई तकनीकों का उपयोग करने में संकोच नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने उन्हें आचार्य सुश्रुत के आदर्शों का अनुसरण करते हुए चिकित्सा नैतिकता और रोगियों के प्रति संवेदनशील एवं करुणामय सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बुधवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। राज्य के पूर्व मंत्री और उत्तर 24 परगना जिले के कामारहाटी से तृणमूल कांग्रेस विधायक मदन मित्रा ने पार्टी के सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। इसके बाद वे सीधे पश्चिम बंगाल विधानसभा पहुंचे और वहां विपक्ष के नेता ऋतब्रत बंद्योपाध्याय के कक्ष में जाकर उनसे मुलाकात की। बुधवार सुबह मदन मित्रा अपने घर से स्वयं कार चलाकर विधानसभा पहुंचे। विपक्ष के नेता के कक्ष में पहुंचने के बाद में उन्होंने मीडिया के सामने भावुक अंदाज में कहा कि जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें सही और गलत का फैसला करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि वे अभी भी



तृणमूल कांग्रेस के विधायक हैं और बंगाल की जनता के प्रतिनिधि हैं, लेकिन पार्टी में जो भी संगठनात्मक बनर्जी के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक पार्टी के साथ काम किया और ममता बनर्जी का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय समिति के

213 सीटें जीतने वाली पार्टी का राजनीतिक नुकसान हुआ। मदन मित्रा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक पार्टी के साथ काम किया और ममता बनर्जी का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय समिति के

भारत-ब्रिटेन सीईटीए लागू होने से व्यापारिक संबंधों को मिलेगी नई गति : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से दोनों देशों के आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होंगे तथा किसानों, उद्योगियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए नए अवसर खुलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत-ब्रिटेन साझेदारी के लिए यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाएं ठोस अवसरों में परिवर्तित होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सीईटीए भारतीय किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगा। इससे कई प्रमुख भारतीय उद्योगों को ब्रिटेन के बाजार तक अधिक सशक्त पहुंच मिलेगी। साथ ही प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा तथा कुशल भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में अस्थायी रूप से कार्यरत भारतीय पेशेवरों को महत्वपूर्ण राहत देगा और भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच आपसी विश्वास तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश और नवाचार आधारित भविष्य की साझेदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।



डरबन में हजारों श्रद्धालुओं ने 27 बार किया हनुमान चालीसा पाठ, मोदी ने दी शुभकामनाएं

डरबन। आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन चिन्मय मिशन ने अपनी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दक्षिण अफ्रीका के डरबन स्थित चैट्सवर्थ स्टेडियम में रमैन टू हनुमानर कार्यक्रम के तहत विशाल हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित किया, जिसमें 17,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने 27 बार सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। इससे कुल 4.5 लाख से अधिक सामूहिक पाठ पूरे हुए। पाठ के बाद भगवान हनुमान के लिए आटे, धो, चीनी से बनी पारंपरिक मिठाई 'रोट' को हर भक्त को प्रसाद के रूप में बांटा गया।



यह कार्यक्रम चिन्मय मिशन साउथ अफ्रीका द्वारा चिन्मय आंदोलन के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वैश्विक 'चिन्मय अमृत महोत्सव' के हिस्से के तौर पर किया गया था। स्टेडियम केसरिया रंग, भक्ति और एकता के सागर में कौ प्रसाद के रूप में बांटा गया।

सनातन धर्म पर वैश्विक चर्चा में एक वादगार खल रचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि दक्षिण अफ्रीका में चिन्मय मिशन के अमृत महोत्सव के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मैं बहुत खुश हूँ। यह ऐतिहासिक उत्सव हमारे चिन्मय मिशन की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए साढ़े सात दशकों की समर्पित सेवा को दर्शाता है। यह अवसर दक्षिण अफ्रीका में भारतीय समुदाय की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। महोत्सव का विषय, चंद

डरबन, शांत डरबन भक्ति की शक्ति के माध्यम से सामूहिक सद्भाव को बढ़ावा देने की दृष्टि को समाहित करता है। उत्सव के एक भाग के रूप में, हजारों भक्तों का हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए एकसाथ आना एक सामूहिक आध्यात्मिक प्रयास का प्रतीक है जो इस विश्वास को और मजबूत करता है कि प्रार्थना और भक्ति के जरिए व्यक्तिगत परिवर्तन एक आध्यात्मिक प्रयास और करुणामय विश्व के निर्माण में सहायक हो सकता है। मोदी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के सामाजिक, सांस्कृतिक और

आर्थिक ताने-बाने को मजबूत करने में भारतीय प्रवासियों के अमूल्य योगदान का भी जश्न मनाता है, साथ ही भारत की समृद्ध परंपराओं और मूल्यों को संरक्षित और बढ़ावा देने में भी उनका योगदान सहायनी है। सामुदायिक सेवा, शिक्षा और सांस्कृतिक पहलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से, प्रवासी भारतीयों ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक जीवंत सेतु का काम किया है, जिससे दोनों देशों के बीच मित्रता और साझा विरासत के बंधन और भी गहरे हुए हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन का समय जनता के हित में उपयोग होना चाहिए और विधायकों की अधिक समय देकर जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं लेकिन जनसेवा का संकल्प कभी नहीं बदलता। संविधान, सुशासन, जनकल्याण और विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा का गौरवशाली इतिहास हम सभी के लिए गर्व का विषय है। 1952 से अब तक पूर्व और वर्तमान सभी जनप्रतिनिधियों ने राज्य के विकास की मजबूत नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

लोकतंत्र हमारी अटूट आस्था और जनतंत्र की आकांक्षाओं का उत्सव है। राजस्थान की 8 करोड़ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हर जनप्रतिनिधि का दायित्व है। उन्होंने सत्ता और विपक्ष से जनहित के मुद्दों पर मिलकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि मतभेद हो सकते हैं लेकिन जनहित हमेशा सर्वोपरि होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने नई पीढ़ी को संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि पूर्व जनप्रतिनिधियों का अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है। साथ ही जनता का विश्वास बनाए रखना हर जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।



विधानसभा को अपनी पहली पाठशाला बताते हुए कहा कि वहीं से उन्हें लोकतांत्रिक संस्कार और संसदीय मर्यादाओं का ज्ञान मिला। उन्होंने अध्यक्ष पद की गरिमा बनाए

रखने पर भी जोर देते हुए कहा कि हर परिस्थिति में संयम, सहजता और निष्पक्षता बनाए रखना पीढ़ीगत अधिकारी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। बिरला ने युवा सदस्यों

से कहा कि वरिष्ठ विधायकों से सीखने की प्रवृत्ति बनाएं रखें। सदन में अधिक से अधिक समय तक रुकें, अपनी बात कहने के बाद और पहले अन्य सदस्यों को भी

सुनें। राजस्थान की महान विधायिका ने देश को बड़े नेता दिए हैं, राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पूर्ण विश्वास है कि आगे भी इस सदन की परंपराएं, यहाँ की विधायी रीति-नीति राष्ट्र की प्रतिष्ठा और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अग्रणी रहेंगे। बिरला ने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि होने के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों की महान धरा भी है। राजस्थान की लोकतांत्रिक चेतना केवल पचहत्तर वर्षों की नहीं बल्कि हजारों वर्षों की विरासत है। पिछले साढ़े सात दशकों में इस सदन ने अनेक ऐतिहासिक विधेयकों, दूरदर्शी बहसों और जनोन्मुख निर्णयों के माध्यम से लोकतंत्र को सशक्त बनाया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन का समय जनता के हित में उपयोग होना चाहिए और विधायकों की अधिक समय देकर जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए। लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं लेकिन जनसेवा का संकल्प कभी नहीं बदलता। संविधान, सुशासन, जनकल्याण और विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा का गौरवशाली इतिहास हम सभी के लिए गर्व का विषय है। 1952 से अब तक पूर्व और वर्तमान सभी जनप्रतिनिधियों ने राज्य के विकास की मजबूत नींव रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।